रायपुर, वर्ष-18, अंक- 9, सितंबर 2022, मूल्य ₹ 10

दीप कमल

निशाने पर कांग्रेस सरकार

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरूण साव तथा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल बस्तर प्रवास के दौरान दन्तेश्वरी माई के दरबार में।

अपने सरगुजा प्रवास के दौरान प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने सूरजपुर में बूथ समिति अध्यक्ष दिनेश सिंह के तिलसिवा स्थित निवास पर भोजन किया।

दीप कमल

संपादक
सुभाष राव

कार्यकारी संपादक
पंकज कुमार झा

मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुदेव साय द्वारा, भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़, के लिए मूणत ऑफसेट प्रिंटर्स रायपुर से मुद्रित एवं एकात्म परिसर, रजबंधा मैदान, रायपुर से प्रकाशित।

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

ई-मेल
jay7feb@gmail.com

फोन
0771-2233500, 4266000

सोशल मीडिया से

अंदर के पन्नों में

जनभागीदारी की ताकत 4
वैचारिकी : -पं. दीनदयाल उपाध्याय 6
प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का सरगुजा प्रवास 9
जन आकांक्षाओं को पूर्ण करते श्री नरेंद्र मोदी 12
साक्षात्कार/नेता प्रतिपक्ष 14
कांग्रेस ने षड्यंत्र करके आदिवासी आरक्षण छीना 15
सुदृढ़ नींव-नव निर्माण, भाजपा की नयी टीम 16
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का छग प्रवास 18
आत्मनिर्भर भारत 23
समाचार कमल 25

प्रधानमंत्री ने बनाया जनभागीदारी को ताकत, जन शक्ति में दिखाई आस्था

– जगत प्रकाश नड्डा

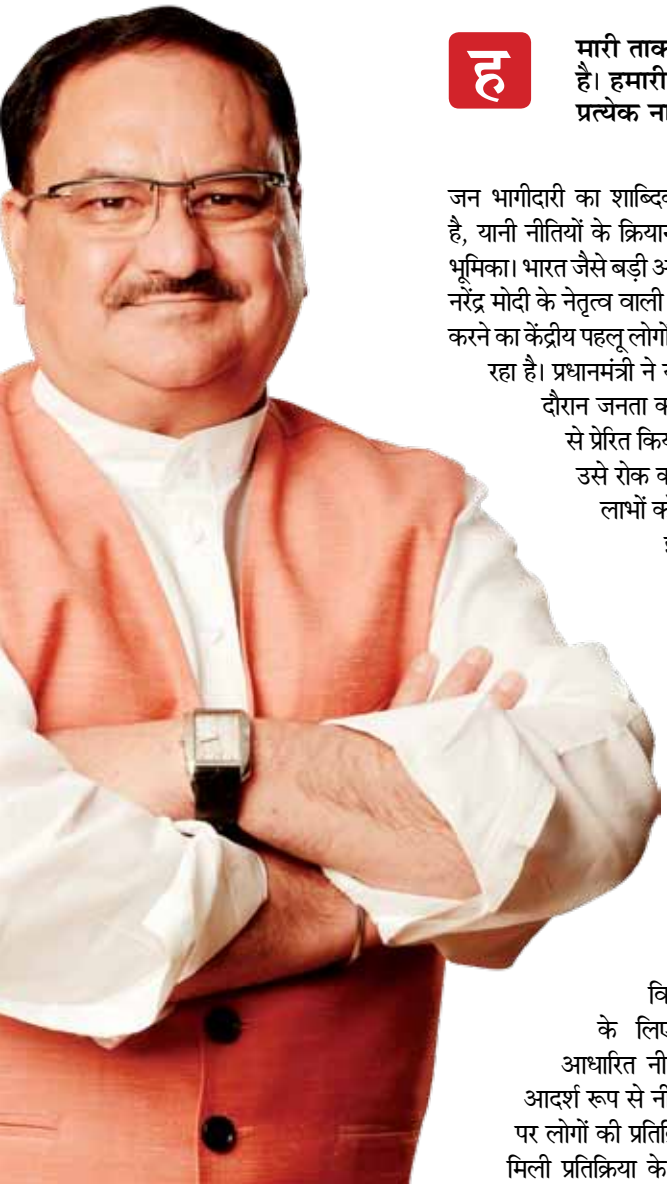

हमारी ताकत लोगों की ताकत में है। हमारी ताकत हमारे देश के प्रत्येक नागरिक में निहित है।
–पीएम नरेंद्र मोदी

जन भागीदारी का शाब्दिक अर्थ लोगों की भागीदारी है, यानी नीतियों के क्रियान्वयन में सभी की सामूहिक भूमिका। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को लागू करने का केंद्रीय पहलू लोगों की शक्ति का उपयोग करना रहा है। प्रधानमंत्री ने योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान जनता को काम करने के लिए दृढ़ता से प्रेरित किया। कुछ गलत हो रहा हो, तो उसे रोक कर, जनशक्ति के उपयोग के लाभों को प्रत्यक्ष दिखाया है।

इसी तरह जन संवाद की लगातार प्रक्रिया के बिना जनभागीदारी अधूरी है। वास्तविक सहभागी शासन का सार जमीनी वास्तविकताओं को समझने के लिए लोगों के साथ नियमित बातचीत करने की प्रक्रिया पर निर्धारित होता है। इसके बाद मुद्दों के विश्लेषण और उनसे निपटने के लिए सुझावात्मक उपाय पर आधारित नीतियां कागजों पर आती हैं। आदर्श रूप से नीति के क्रियान्वयन और उस पर लोगों की प्रतिक्रिया के बाद, लाभार्थियों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर नीति लागू की जाती है। सरकार ने लोगों और सरकार के बीच इस निरंतर संवाद को विभिन्न माध्यमों से बनाए रखने और लोगों के जीवन को आसान बनाने का व्यापक ध्यान रखा है।

प्रधानमंत्री जनता को प्रेरित करने में निर्विवाद रूप से सफल रहे हैं। कागज पर बनी नीतियों को हकीकत में बदलने के लिए लोगों ने एक बार नहीं, दो बार नहीं बल्कि अनेक बार उनके आह्वान पर समर्थन दिया है। उनके शब्द इस बात के प्रमाण हैं कि वे लोगों के समग्र विकास के संदर्भ में सोचते हैं और समग्र विकास की यात्रा में किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ते हैं। नेता के रूप में नीतियों और उनके लाभों को सभी तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित करने का उनका प्रण उनकी दृष्टि और शासन में हमेशा और लगातार परिलक्षित होता रहा है।

उदाहरण के लिए खुले में शौच के मुद्दे को लें, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने पहले संबोधन में उठाया था। उन्होंने देश के सभी नागरिकों से 'स्वच्छ भारत अभियान' में भाग लेने के लिए कहा और यह एक जन आंदोलन बना। केवल 60 महीनों में 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाने में सफलता पाई गई। यह एक ऐसा कारनामा है जिसे देख कर दुनिया चकित है। भले ही यह सिर्फ एक स्वच्छता मिशन की तरह लग सकता है, मगर इसने महिलाओं के लिए सम्मान और सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। कई बच्चों की जान बचाई है और कई लड़कियों को स्कूल छोड़ने से रोका है।

जल जीवन मिशन का एक और उदाहरण लें, अकेले जिसने अब तक गांवों में 10 करोड़ से अधिक नल के कनेक्शन सुनिश्चित किए हैं। उनके अपने शब्दों में, 'जल जीवन मिशन की सफलता लोगों की भागीदारी, सभी हितधारकों के साथ साझेदारी, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सभी संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग

पर आधारित है।' जनता के जीवन की इस मूलभूत आवश्यकता का पूरा होना अब एक वास्तविकता है।

एक और प्रमाण देखें। केवल 18 महीनों में 200 करोड़ से अधिक कोविड-19 टीकाकरण का रिकॉर्ड कोई मामूली उपलब्धि नहीं थी, लेकिन हमने इसे हासिल किया। हालांकि यह कई लोगों के मिले-जुले प्रयासों का फल था, मगर इसका नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री ने किया था। लोगों ने उनके दृढ़ संकल्प की भावना में भरपूर सहयोग दिया। प्रधानमंत्री परिकल्पित एक अन्य महत्त्वपूर्ण जन आंदोलन हमने महामारी के दौरान देखा, जब उन्होंने नागरिकों से कर्फ्यू का सम्मान करने का आग्रह किया, स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना की और सबसे आगे लड़ने वालों की सराहना करने के लिए दीयों के प्रकाश का आह्वान किया। इसकी देश भर में जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया हुई। जो लोग वहन कर सकते थे, उन्होंने स्वेच्छा से एलपीजी और रेलवे टिकट पर सब्सिडी छोड़ दी, जबकि वास्तविक सब्सिडी नहीं हटाई गई थी। यह जनभागीदारी की शक्ति का उदाहरण नहीं है, तो क्या है? मन की बात को व्यापक रूप से एक बड़ी सफल सामाजिक क्रांति करार दिया गया है। इसका आधार भी जनभागीदारी ही है। इसका प्रत्येक एपिसोड हर व्यक्ति की परिवर्तनकारी शक्ति में प्रधानमंत्री के अटूट विश्वास को हर महीने याद दिलाता है।

मैंने अनगिनत परिवारों से सुना है कि 5-7 साल के बच्चे अपने माता-पिता से कहते हैं कि वे विदेशी खिलौनों से नहीं खेलना चाहते। जब 5 साल का बच्चा ऐसा संकल्प करता है, तो यह उसके अंदर आत्मनिर्भर भारत की भावना को दर्शाता है।'

स्वदेशी व्यापार को बढ़ावा देने और स्थानीय व्यावसायियों को प्रोत्साहित करने वाला उल्लेखनीय जन आंदोलन 'वोकल फॉर लोकल' लोगों में जागरुकता पैदा करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने में एक लंबा सफर तय कर चुका है। इस जन आंदोलन ने कई छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाया है। देश के दूरदराज के हिस्सों में स्टार्टअप को बनाने में मदद की है और पारंपरिक शिल्प को पुनर्जीवित करने में भी मदद की है। इसी तरह स्थानीय खिलौनों के बारे में मुखर आह्वान एक अनूठी घटना है, जो खिलौना निर्माण में आत्मनिर्भरता के मिशन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर कहा था, 'मैं 5 से 7 साल की उम्र के छोटे बच्चों को सलाम करना चाहता हूं। देश की चेतना जाग उठी है। मैंने अनगिनत परिवारों से सुना है कि 5-7 साल के बच्चे अपने माता-पिता से कहते हैं कि वे विदेशी खिलौनों से नहीं खेलना चाहते। जब 5 साल का बच्चा ऐसा संकल्प करता है, तो यह उसके अंदर आत्मनिर्भर भारत की भावना को दर्शाता है।' प्रधानमंत्री 2020 से स्टार्टअप से वैश्विक टॉय हब बनने की उपलब्धि हासिल करने और देश में टॉय क्लस्टर स्थापित करने में सहायता करने का आग्रह करते रहे हैं।

अब 2022 में देखें कि देश में अनेक खिलौना समूह आ गए हैं। भारतीय संस्कृति और लोकाचार पर आधारित खिलौनों के विकास के लिए नवीन विचारों को क्राउडसोर्स करने के लिए 'टॉयकैथॉन' जैसे आयोजनों ने गति पकड़ी है। खिलौनों को बीआईएस (भारतीय प्रमाणन ब्यूरो) मानकों के अनुसार प्रमाणित किया जाना सभी निर्माताओं के लिए अनिवार्य हो गया है। इससे कई चीनी प्रतिस्पर्धी समाप्त हो गए हैं। यह वाकई बड़ी उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री का मानना है कि लोकतंत्र केवल एक सरकार को पांच साल के लिए अनुबंध देना नहीं है। वास्तव में यह जनभागीदारी है। उन्होंने देश के नागरिकों पर जो अटूट विश्वास लगातार दिखाया है, उसके बार-बार अकल्पनीय सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जब नीतियां अंतिम स्तर तक पहुंचती हैं, तब लोकतंत्र को वास्तव में सफल माना जाता है। इस प्रकार, प्रधानमंत्री के आह्वान का सार यही है कि सभी की भागीदारी से सभी की समृद्धि होती है। ●●●

प्रतिक्रिया कृपया इस आईडी पर दें-
jay7feb@gmail.com

दैनिक 'पत्रिका' से साभार

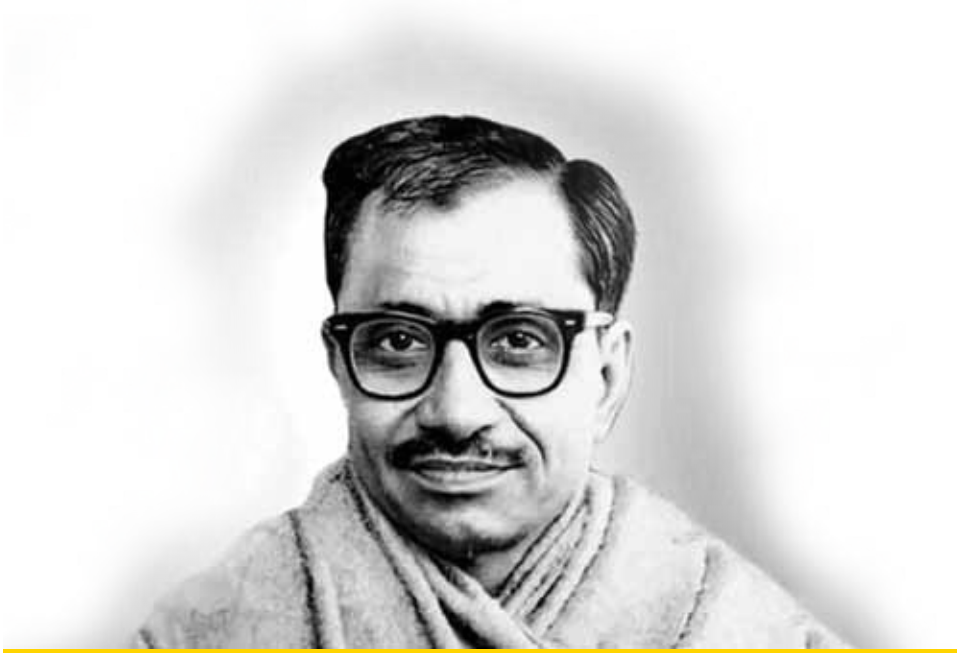

जीवन का सुख

-पं. दीनदयाल उपाध्याय

जन्म दिन (25 सितंबर) विशेष

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सुख की भावना लेकर चलता है। मानव ही नहीं, तो प्राणिमात्र सुख के लिए लालयित है। दुःख को टालना और सुख को प्राप्त करना, यह एक उसकी स्वाभाविक कामना रही है। मनुष्य भी प्राणी है। इसलिए वह सुख चाहता है। तो हमें विचार करना पड़ेगा कि सुख है कहां? किस चीज़ में?

साधारणतः लोग सोचते हैं कि अच्छा भोजन मिला तो सुख प्राप्त होगा। पर यह अच्छा भोजन कैसे मिले, यह किन पर निर्भर है, इसका विचार करें तो पता चलेगा कि इस विषय में हम स्वाधीन नहीं। भोजन संबंधी सुख दूसरों पर निर्भर है। रोटी हमने स्वयं नहीं बनाई, बनानेवाला दूसरा व्यक्ति है। उसने खीर, हलवा अच्छा बनाया तो ठीक, अगर रसोइयों ने ठीक न बनाया तो शक्कर, घी और आटा सब बेकार। इस प्रकार भौतिक सुख के लिए हम दूसरों पर निर्भर रहते हैं, स्वयं पर नहीं। दूसरे लोग बनाते हैं, तब हमें मिलती है। कपड़ा बनानेवाला, सिलनेवाला दूसरा आदमी यानी टेलर मास्टर होता है। उसने कपड़ा ठीक बनाया तो आराम और आनंद प्राप्त होता है। नहीं बनाया तो कठिनाई का अनुभव करना पड़ता है। एक दरज़ी ने मेरे बनियान का अंदर का हिस्सा दाहिने तरफ़ और बाहर का बाएं तरफ़ लगाया। मैं दरज़ी को मन-ही-मन ग़ाली देता रहा — छोटा सा सुख दरज़ी की ग़लती के कारण समाप्त हो गया। इस प्रकार कपड़े का सुख दरज़ी पर अवलंबित रहता है। वह कपड़ा कसा हुआ बना दे तो तक़लीफ़ होती है। इसी प्रकार बहुत अन्य चीजें हैं। जैसे हम बाल बनवाते हैं। एक नाई ने मेरे अजीब तरह से बाल बनाए। उसने ग़लती की, परंतु मुझे भुगतनी पड़ी। तो इस प्रकार हमारे लिए अनेक लोग काम करते रहते हैं। हम रेल में जाते हैं। गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर, गार्ड, सिग्नलवाला, स्टेशन मास्टर अनेक लोग होते हैं। यात्रा सुखद और सुरक्षित हो, इसके लिए हम जानें या न जानें, अनेक के प्रयत्न के ऊपर हमारा सुख निर्भर है।

अपनी बुद्धि के बारे में हम गर्व करते हैं। परंतु यह बुद्धि कहां से मिली? वह स्वयं की कमाई हुई नहीं है। दूसरों ने ही दी है। हमारे अध्यापक, गुरुजन हमें सोचना सिखाते है। हम एक सौ पांच जल्दी लिख लेते हैं। परंतु बीच में के शून्य का आविष्कार करने के लिए कितने वर्ष लगे होंगे। आज तो वह ज्ञान हमें सहज मिल जाता है। भाषा में हम कविता करते हैं। गाली देते हैं, अपना क्रोध, आनंद प्रकट करते हैं। यह भी हमें समाज के द्वारा मिली है। बहुत सी लड़ाइयां भाषा के कारण बच जाती हैं। भाषा न हो तो? हमें गुस्सा आया तो, हम किसी को 'बेवकूफ़'कह देते हैं। यदि 'बेवकूफ' शब्द न होता तो? गाय को भाषा नहीं आती। इसलिए उसे यदि गुस्सा आ जाए तो वह सींग मारती है। भाषा ने मनुष्य की मार-पीट, मुसीबत बचाई। क्रोध प्रकट करने के लिए हम शब्दों का उपयोग करते हैं। शब्दों को विशेष अर्थ दूसरे ने दिया, हमने नहीं। कुरसी को हम कुरसी क्यों कहते हैं? टेबल क्यों नहीं कहते? समाज के चार लोगों ने जो एज्यूम किया, आरबिट्रेशन किया, उस निर्णय को हम मानते हैं। जितनी चीजें जगत् में हैं, उनके नाम अर्थ हमें समाज से मिले हैं। हम भाषा में केवल बोलते ही नहीं, सोचते भी हैं। लोग समझते हैं कि सोच प्रकट करने का माध्यम भाषा है। परंतु सोचने का साधन भी भाषा ही है। हम 'आत्मा'शब्द और उसका अर्थ जानते हैं, इससे आत्मा के बारे में हम बहुत सी बातें सोच लेते हैं — 'आत्मीयता', 'अध्यात्म' इत्यादि, परंतु अंग्रेजी में योग्य शब्द नहीं हैं, इससे उनको असुविधा होती है। अंग्रेजी में सोशल कहते हैं, इसका अर्थ जीव है। इसी प्रकार मन यानी माइंड (mind) नहीं। शब्द सोचने की प्रक्रिया प्रकट करते है। शब्दों में हम शिष्टाचार भी व्यक्त करते हैं 'नमस्कार', 'पहले आप', 'कुशल हैं न' इत्यादि। इस प्रकार शब्दों से व्यवहार बनता है। यह भाषा कौन देता है? अपने आप भाषा न आएगी।

लखनऊ के अस्पताल में एक लड़का था। उसका नाम 'राम' रखा था। जब वह

बच्चा था, तो भेड़िये उसे ले गए। उन्होंने उसका पालन-पोषण किया। जंगल काटते समय वह लड़का मिला। वह आदमी जैसा प्राणी हाथ-पैर चलाता था, बोलता नहीं था, वह गुर्राता था। मुंह से लप-लप करके खाता था। अस्पताल में वह सात-आठ वर्ष रहा। बाद में मर गया। तो इस प्रकार अनेक बातें हम समाज से सीखते हैं। हम पालथी मारकर बैठते हैं, विदेशी आदमी इस तरह नहीं बैठ सकते। मैं अफ्रीका में गया था। एक स्त्री पैर फैलाकर बैठी थी। मैंने पूछा, 'यह ऐसे क्यों बैठी है? 'तो उत्तर मिला कि वहां की स्त्रियां दूसरी तरह से बैठ ही नहीं सकतीं। वैसे ही घोड़े को बैठने में कठिनाई होती है। वह गाय की तरह नहीं बैठ सकता।

मनुष्य अकेला आनंद प्राप्त नहीं कर सकता वह अकेला हंस नहीं पाता। हमने कुछ अच्छा काम किया तो हम दूसरों को दिखाते हैं। एक कहावत है, 'जंगल में मोर नाचा, किसने देखा।' दूसरों के साथ ही हम आनंद का अनुभव कर सकते हैं। कुछ आनंद का विषय हो तो हम चार लोगों को बुलाते हैं। वैसा ही देखा जाए तो विवाह का संबंध केवल वधू-वर से नहीं होता, बल्कि विवाह में बाराती चाहिए, सब लोगों को आनंद मनाना चाहिए। तब ही हम संस्कार मानते हैं। तो व्यक्ति का आनंद चार लोगों के साथ होता है।

वास्तव में हमारा भौतिक बौद्धिक, मानसिक और आत्मिक सुख दूसरों पर निर्भर है। अकेलापन मन को कमजोर करता है। बच्चा अकेला हो तो उसे डर लगता है। दो मिलें तो निर्भयता आ जाती है एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं। जब लड़ाई का जमाना था, तब रेल में बहुत भीड़ रहती थी। टिकट भी बंद कर देते थे। मैं प्रवास कर रहा था, तब मैंने देखा कि एक किसान संडास के पास नीचे बैठा है। मैंने उसके अंदर जाकर बैठने को कहा, तब वह बोला, 'मेरे पास टिकट नहीं है।' फिर दूसरा भी बोला कि मेरे पास टिकट नहीं है, फिर तीसरा बोला और इस तरह सात-आठ आदमियों के पास टिकट नहीं था। तब वह डर छोड़कर अंदर जा बैठा। दुःख में अनेक साथी हों, तो दुःख कम हो जाता है। दूसरों के सुख से दुःख, दुःख से सुख जिसको होता है, ऐसा आदमी क्वचित मिलेगा।

रॉबिन्सन क्रूसो की एक कहानी बताते हैं कि उसे एक अजीब जंगली मानव मिल गया, तो उसे देखकर वह बहुत आनंदित हुआ और उसने उसका नाम फ्राइडे रखा। जो लोग कहते हैं कि एकांत में सुख है, वह ग़लत है। आदमी तो आदमी को देखना चाहता है।

व्यक्ति समाज से लेता है, हर समय समाज पर अवलंबित रहता है। इसलिए समाज का सुख, यही व्यक्तिगत सुख होना चाहिए। चार लोग सहायता करते हैं, इससे आदमी आगे चलता है, सुखी बनता है। उसकी भाषा, ज्ञान और कर्मशक्ति समाज पर निर्भर रहती है। केवल हाथ-पैर हिलाना, कर्म नहीं, खेती करना किसने सिखाया? इंजीनियर, कलाकार कहां से बना? तंत्रज्ञान दूसरों से प्राप्त होता है।

ठंडे देश में हाथ मिलाने में आनंद होता है, क्योंकि उससे उष्णता निर्माण होती है। यहां तो गरमी रहती हैं। हाथ को पसीना रहता है, इसलिए हाथ जोड़ना ही अच्छा।

समाज मनुष्य को कर्मयोगी बनाता है। समाज नहीं सिखाएगा तो आदमी हाथ-पैर से कर्म नहीं कर सकता। कर्म समाज के द्वारा सिखाए जाते हैं। समाज के लिए जो उपयोगी नहीं, वह कर्म नहीं। केवल उठना, बैठना कर्म नहीं। पागल भी चक्कर लगाता रहता है। वह कर्मयोगी नहीं, क्योंकि उसका कर्म समाज के लिए उपयोगी नहीं। सभी प्रकार का ज्ञान हमें समाज से होता है। मनुष्य को समाज से हटा दिया तो उसे ज्ञान नहीं रहेगा। गुरु, अध्यापन और लोक-संस्कार इनसे हमें अच्छे-बुरे का ज्ञान अलग होगा।

समाज ही हमारे विधि निषेध का निर्णय करता है। जब दो लोग मिलते हैं तो हाथ जोड़ते हैं। क्यों? एक हाथ से नमस्कार को बुरा मानते हैं और दो हाथ जोड़कर नमस्कार करने को सम्मान मानते हैं। अफ्रीका में दो आदमी मिले तो परस्पर नाक रगड़ते हैं। हाथ मिलाने की प्रथा पाश्चात्य देशों में है। मैंने एक लेख पढ़ा था। उसमें लिखा था कि ठंडे देश में हाथ मिलाने में आनंद होता है, क्योंकि उससे उष्णता निर्माण होती है। यहां तो गरमी रहती हैं। हाथ को पसीना रहता है, इसलिए हाथ जोड़ना ही अच्छा। तो हमें सब कुछ समाज से प्राप्त होता है। क्या खाना, कैसे खाना इसको समाज देता है। भक्ति भावनाओं का प्रकटीकरण भी समाज हमें सिखाता है। यहां कीर्तन होगा तो बहुत लोग जम जाएंगे। उसमें आनंद मनाएंगे। इंग्लैंड में 'बॉल डांस' प्रचलित है, यहां नहीं। हृदय की तीव्रतम तरंगें जीवन को आंदोलित कर देती हैं।

'जिंदगी के लिए क्या जरूरी है' ऐसा पूछा जाए तो लोग कहेंगे कि 'रोटी'। परंतु रोटी से पानी अधिक महत्त्व का है। प्रभुदत्त ब्रह्मचारीजी और पुरी के शंकराचार्यजी ने केवल गंगाजल लेकर उपवास किया। पानी न मिला तो एक-दो दिन गुजार सकते हैं, परंतु हवा न मिली तो कुछ मिनटों में खत्म हो जाएंगे। लोग कहते हैं कि पेट पापी है, परंतु सचमुच विचार किया तो सांस पापी है। पेट के लिए सब कुछ करना पड़ता है, पानी के लिए प्रयत्न कम और हवा तो सहज मिल जाती है। जो वस्तु सहज मिलती है, वह आवश्यक होने पर भी दुर्लक्ष्य किया जाता है। हवा की तक़लीफ़ शहरों में रहती है। फैक्टरी में या हिमालय पर सांस मुश्किल हो जाती है। बड़े नगरों में हवा शुद्ध रखने के लिए बड़े प्रयत्न किए जाते हैं।

उसी प्रकार समाज हमें स्वाभाविकता से मिला है। इसलिए हमारे ख़याल में नहीं आता। हमें समाज का विस्मरण हो जाता है। यह विस्मरण बढ़ जाएगा, तो हम समाज से दूर हटते जाएंगे। हम समाज से लेते हैं, तो वापस भी देना चाहिए। हम बैंक के एकाउंट से पैसे निकालते चलें, तो थोड़े ही दिनों में एकाउंट ख़त्म हो जाएगा। इसलिए लेन-देन दोनों चाहिए। हम समाज से लेते रहते हैं और समाज ने न दिया तो गाली देते हैं। मां हमें रोटी

देती है, बाजार से साग लाकर देना हमारा काम है। हम खेत से धान्य लेते हैं और खेत में खाद न डालें तो खेत की शक्ति खत्म हो जाएगी। भगवान् की कृपा से हमारे समाज का सामर्थ्य इतना है कि हम इतने दिन लेते आए, तो भी समाज दे रहा है। अनेक काम स्वाभाविक रीति से होते हैं, व्यवसाय चला आ रहा है।

हमारा सुख समाज के ऊपर निर्भर है। इसलिए आप समाज की चिंता करोगे तो आपको सुख मिलेगा। केवल अपने ही सुख की चिंता करोगे, तो दौड़-धूप, छीना-झपटी हो जाएगी। दूसरे को हंसाने का एक खेल होता है। उसमें पहले खुद हंसना पड़ता है। दूसरे को रोता देखकर आपको भी रोना आता है। यदि तुम रोना नहीं चाहते तो तुम्हें दूसरों को हंसाना चाहिए।

किसान अनाज अपने लिए पैदा करता है क्या? नहीं, बीज बोते समय वह कहता है, 'पशु, पक्षी, देव, किन्नर, गांववाले, राजा, बाल बच्चे - इनके लिए और मेरे लिए अन्न दे।' समाज का ढांचा ही ऐसा है। बुनकर दूसरों के लिए कपड़ा बुनता है। हम समाज से केवल लेने का विचार करेंगे तो दुःखी होंगे। देने में आनंद है, लेने में नहीं। जब हमारे घर अतिथि आता है, तब हम उसको अच्छा भोजन खिलाते हैं। वह तारीफ़ करता है तो हमें आनंद होता है। हमने बढ़िया खाया तो हमें आनंद नहीं होता। मैं एक गृहस्थ के घर गया था। उनके घर में एक ही पलंग था। उन्होंने मुझे उस पर सुला दिया। उसे उसमें ही आनंद मिला। यदि न मिलता तो वह मुझे पलंग पर क्यों सुलाता। यदि मैं पलंग पर सोने के लिए इनकार करता तो उसे दुःख होता।

रायपुर में दीनदयाल उपाध्याय चौक पर भाजपा अध्यक्ष।

समाज के लिए काम करने में आनंद है। जब मानव यह भूल जाता है, तब विकृति निर्माण होती है। पेट भर गया तो और ज्यादा खाना नहीं और खाते गए तो बीमार हो जाते हैं। पेट कहता है 'बस' परंतु पेट की बात हमने नहीं सुनी तो उसे दुःख होता है। अगर हमारा सुख समाज के ऊपर निर्भर है तो समाज सुखी बनाने का तरीका निकालेगा। जितने भी तरीके निकालेंगे, उतने ही हम ऊपर बढ़ते जाएंगे। स्वार्थ यानी अधर्म है और परमार्थ यानी धर्म। हम जो व्यवहार करते हैं, वह हमें कंपाउंड इंटेरेस्ट से मिल जाता है। यही धर्म का रास्ता है। इससे ही समाज तुष्ट हो जाता है और इस पर ही हमारा सुख और योगक्षेम निर्भर है। ●●●

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग: मैसूर, मई 19, 1967

प्रदेशाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के प्रवास से उत्साहित भाजपा

जनता भूपेश के कुशासन से त्रस्त बदलाव के लिए तैयार

इसी कड़ी में सूरजपुर -भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के प्रथम सूरजपुर आगमन पर जिला भाजपा द्वारा भव्य स्वागत किया किया। जगह जगह भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा पारंपरिक स्वागत करते हुए फूल मालाओं से लाद दिया। पहली बार सूरजपुर पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव स्वागत से गदगद नजर आए। सेवाकुंज में आयोजित स्वागत समारोह मे लगभग दो घंटे से अधिक समय तक स्वागत का सिलसिला चलता रहा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सूरजपुर जिले के एक एक कार्यकर्ता के स्वागत से अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि आप जैसे ही बूथ के कार्यकर्ता से मेरी राजनीतिक यात्रा शुरू हुई है। अगर इस जवाबदारी के लिए मुझे चुना गया है तो यह भाजपा मे ही संभव है। मेरे लिए भाजपा के एक एक कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि है तथा मेरे नेतृत्व मे एक एक कार्यकर्ता का सम्मान मेरी जवाबदारी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस अटलजी के छत्तीसगढ़ को गलत दिशा मे ले जा रही है। भाजपा का कार्यकर्ता अटलजी के सपनों के छत्तीसगढ़ को कभी बरबाद नही होने देगा, उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भूपेश के कुशासन से त्रस्त है और बदलाव के लिए तैयार है। भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश मे बदलाव का नेतृत्व करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन पर छत्तीसगढ़ के एक एक कार्यकर्ता की ओर जन्मदिन शुभकामनाएं देते हुए अहवान किया कि आज सभी कार्यकर्ता संकल्प ले कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ छत्तीसगढ़ को लेकर चलेंगे। भाजपा के नये प्रदेशाध्यक्ष श्री अरुण साव और नये नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल जी प्रदेशव्यापी दौरे पर हैं। स्थान-स्थान पर मिले प्रतिसाद से अब भय लग रहा है कि प्रदेश में भाजपा के पक्ष में लहर है। कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, राजा पांडेय, पूर्व विधायक रजनी त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव, मेजर अनिल सिंह, रामकृपाल साहू,अजय गोयल, जवाहर गुप्ता, प्रबोध मिंज, गौरीशंकर अग्रवाल, रितेश गुप्ता, सत्यनारायण सिंह, राजेश अग्रवाल, मुरली सोनी, विकास झा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

प्रथम आगमन पर जगह जगह हुआ भव्य स्वागत

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव के जिले में प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत की तैयारी की गई थी। कोरिया जिले से सड़क मार्ग से सूरजपुर जिले में आगमन पर कृष्णपुर चौक पर भाजपा मंडल देवनगर व अजजा मोर्चा एवं पिछडा वर्ग मोर्चा द्वारा भव्य स्वागत किया गया पारंपरिक रुप शैला सुगा नर्तक दल के साथियों ने स्वागत समारोह को और आकर्षक बना दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव को फूल मालाओं से लाद दिया। स्वागत समारोह मे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने भूपेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसके बाद भाजयुमो की भव्य बाईक रैली के साथ प्रदेशाध्यक्ष का काफिला नगर सीमा मे चंदरपुर पहुंचा जहां ग्रामीण मंडल ने पारंपरिक रूप से स्वागत किया नगर के अग्रसेन चौक पर शहर मंडल व किसान मोर्चा ने तथा माता कर्मा चौक साहू समाज ने स्वागत किया जहां बड़ी संख्या मे समाज से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव ने भक्त माता कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

महिला मोर्चा ने किया अनूठा स्वागत

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के आगमन पर महिला मोर्चा ने बिलकुल नए अंदाज मे स्वागत किया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी राजवाडे, महामंत्री नूतन विश्वास व बीना गुप्ता के नेतृत्व मे प्रदेशाध्यक्ष का तिलक लगाकर एवं महिला कार्यकर्ताओं के साथ शंख के मंगल ध्वनि उदघोष से स्वागत करते हुए मंच तक लेकर गई।

बिंझिया समुदाय के प्रतिनिधियों ने किया भाजपाध्यक्ष का सम्मान

केन्द्र सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय जिसमें छत्तीसगढ़ की 12 जातियों को अजजा मे शामिल किया गया था। बिझिया समुदाय के लोगों ने केन्द्रीय कैबिनेट के फैसले प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया।बिंझिया समुदाय के बुझन सिदार, देवधन बिझिया, विजय सिदार, कैलाश सिदार सहित प्रतिनिधि मंडल भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव का मंच पर पहुंचकर सम्मान किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने रक्तदान शिविर व प्रधानमंत्री के जीवन चित्र का किया उद्घाटन व अवलोकन

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविन्द्र भारती के नेतृत्व में जिले भर के भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने 76 यूनिट रक्त दान किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव सेवा कुंज मे स्थापित रक्तदान शिविर का अवलोकन करते हुए रक्तदाताओं का हौसला अफजाई किया। उन्होंने रक्तदान को मानव सेवा का महान कार्य बताया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी के जीवन व विकासशील भारत के प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। सेवा कुंज मे संगठन द्वारा कार्यकर्ताओं के देखने के लिए विशाल प्रदर्शनी लगाई है।

तिलसिवां में बूथ समिति अध्यक्ष के घर किया दोपहर का भोजन

अपने पहले प्रवास पर सूरजपुर पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव ने बूथ समिति अध्यक्ष दिनेश सिंह के तिलसिवा स्थित निवास पर भोजन किया। इनके साथ पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, संगठन प्रभारी राजा पांडेय, कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहू, जिलामंत्री संदीप अग्रवाल ने भी भोजन किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कार्यकर्ता के परिवार के सदस्यों को शाल श्रीफल भेटकर सम्मान किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री अरूण साव का कोरिया जिले के खोंगापानी में भव्य और आत्मीय स्वागत।

बस्तर प्रवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरूण साव व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल

- दन्तेवाड़ा में मां दन्तेश्वरी देवी के दर्शन पूजन कर लोक मंगल की कामना की।
- स्वर्गीय मालती देवी साहू की स्मृति में संचालित सेवा कार्य में सम्मिलित हुए।
- नक्सली हमले में शहीद भाजपा कार्यकर्ता, पूर्व विधायक स्वर्गीय भीमा मण्डावी जी के घर पहुँचकर परिवार से भेंट की।
- गीदम में ब्रह्मलीन स्वामी विशुद्धानंद जी महाराज की समाधी को नमन किया। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आश्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित किया गया।
- बीजापुर में लोकदेवता बाबा चिकटराज एवं कोदई माता के दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की कामना की।
- छत्तीसगढ़ स्कूल मध्याह्न भोजन रसोइया संयुक्त संघ में द्वारा किये जा रहे अनिश्चित कालीन हड़ताल में सम्मिलित हुए।
- बीजापुर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भाजपा की लोक कल्याणकारी नीति से प्रभावित होकर अनेक जनों ने भाजपा में प्रवेश किया।

अध्यक्ष जी और नेता प्रतिपक्ष जी के बस्तर प्रवास के दौरान दन्तेवाड़ा से बीजापुर, जगदलपुर के मार्ग में नेशलमार चौक, भैरमगढ़, जांगला, नैमेड़ चौक बड़े किले पाल, गीदम, लौंड़ीगुड़ा मुण्डागांव के साथ अनेक चौक चौराहों सार्वजनिक स्थलों पर पारम्परिक वेशभूषा व नृत्य के साथ भावभीना आत्मीय स्वागत किया गया। संवेदनशील क्षेत्र होने पर भी कार्यकर्ताओं ने उत्साह भरे वातावरण में बाइक रैली निकाली। ●●●

जन आकांक्षाओं को पूर्ण करते मोदीजी

शिव प्रकाश

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की विशेषताओं के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का प्रसिद्ध वाक्य "Of the people, By the people, For the people" हैं। भारतीय संविधान निर्माताओं ने भी इसी को आधार माना कि लोकतंत्र का उद्देश्य "जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए " हैं। अर्थात हमारी समस्त व्यवस्थाओं का आधार जनता है । जनता के द्वारा का अर्थ है कि जनता के वोट से जन प्रतिनिधियों का चयन होगा एवं चयनित जनप्रतिनिधि शासक के सूत्र सम्हाल कर नीति बनाते हुए जनता के कल्याण के लिए कार्य करेंगे। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि जनता केवल वोट देने तक ही सीमित रहेगी। जनता देश के विकास में सक्रिय योगदान दे, वह सही जनप्रतिनिधियों का चयन करें, इसके लिए वह स्वार्थी न हो, क्षुद्र वृतियों से दूर रहे अर्थात निस्वार्थ, राष्ट्रभक्त, शिक्षित एवं संस्कारित हों। जनता में भविष्य के लिए श्रेष्ठ भारत बनाने का स्वप्न एवं संकल्प रहना आवश्यक है। यह कार्य उचित शिक्षा, नैतिक संस्थान एवं जन नेताओं के श्रेष्ठ आचरण के द्वारा होना संभव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने समाज में यह संकल्प जगाने के लिए स्वयं का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। विकास में सामान्य जन की सहभागिता मोदी जी की अनुकरणीय पहल है। भारत भविष्य में विश्व में श्रेष्ठ होगा यह विश्वास भारतीय जनमानस में जागृत हुआ है।

स्वयं का उदाहरण – भारतीय जनसंघ (भारतीय जनता पार्टी) के तत्व दृष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी से जब यह प्रश्न पूछा गया कि आप राजनीति में क्यों है तब उनका उत्तर था कि " नेता शब्द की विकृत हुई छवि के स्थान पर नेता शब्द की सही छवि स्थापित करने के लिए।"

राजनीतिक नेतृत्व के स्वार्थपूर्ण, विभाजित दृष्टि एवं वोट प्राप्ति के लिए गिरते व्यवहार के कारण समाज में नेताओं के प्रति अनास्था का वातावरण बना है। जो नेतृत्व समस्याओं के समाधान का माध्यम होने चाहिए था, जनता उन्हें ही समस्या मानने लगी। गुजरात के मुख्यमंत्री एवं 2014 के बाद देश के प्रधानमंत्री रहते हुए श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपना उदाहरण जिस प्रकार से प्रस्तुत किया उससे जनता को लगने लगा कि यह व्यक्ति ही हमारी आकांक्षा पूर्ति का माध्यम हो सकता है। कठोर परिश्रम, पारदर्शी छवि, प्रत्येक संकट में सदैव अग्रसर एवं आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णय यह सभी विशेषताएं मोदी जी को शेष में कुछ विशेष बनाती हैं। बिना सुरक्षा घेरे के लाल किले का संबोधन उनकी निर्भीकता के साथ-साथ जनता में भी निर्भयता का वातावरण तैयार करता है। मेट्रो ट्रेन में सामान्य नागरिक के समान यात्रा, बच्चों के साथ घुलना मिलना एवं नागरिकों से संवाद उनकी सहजता एवं सादगी को दर्शाता है। भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार ने भ्रष्टाचारियों में भय एवं गरीबों में एक विश्वास का वातावरण तैयार किया है। इसी का उदाहरण हमें कोरोना काल में देखने को मिला कि जब दुनिया के देश अपने यहां कर्फ्यू का पालन कराने के लिए अर्धसैनिक बलों का सहारा ले रहे थे, तब प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शन पर एक आह्वान मात्र से भारत में स्वतः स्फूर्त जनता कर्फ्यू लगा एवं घंटे, खडियाल, बर्तन एवं शंखनाद आदि के माध्यम से एकजुटता तथा मोदी जी के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। भारतीय वैज्ञानिको द्वारा निर्मित मेड इन इंडिया वैक्सीन के प्रति जब हमारे देश के विरोधी दलों के नेता भ्रम फैला रहे थे, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वयं वैक्सीन लेकर भ्रम को दूर करने का कार्य किया। जिसका परिणाम है कि अब भारत 200 करोड़ से भी अधिक वैक्सीनेशन वाला देश बन गया है। और हम निर्भय होकर कोरोना के संकट से बाहर आ गए हैं।

स्वयं का उदाहरण – भारतीय जनसंघ (भारतीय जनता पार्टी) के तत्व दृष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी से जब यह प्रश्न पूछा गया कि आप राजनीति में क्यों है तब उनका उत्तर था कि " नेता शब्द की विकृत हुई छवि के स्थान पर नेता शब्द की सही छवि स्थापित करने के लिए।"

समस्या समाधान एवं विकास में जन सहभागिता – जनता केवल वोट तक सीमित न रहे उसका विकास एवं समस्याओं के समाधान में सक्रिय सहभाग होने से ही हम आगे बढ़ सकते हैं इस तथ्य को प्रधानमंत्री मोदी जी ने अच्छी प्रकार समझा। उनके भाषणों में आया प्रसिद्ध वाक्य 130 करोड़ भारतवासी जब एक कदम आगे बढ़ाते हैं तब भारत 130 करोड़ कदम आगे बढ़ता है उनकी जनता में गहरी आस्था को प्रकट करता है। स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, नमामि गंगे, कोरोना काल का सेवा कार्य, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण की प्रेरणा एवं अभियान, तालाबों की सफाई, वैक्सीनेशन में जनसहभागिता, टी०बी० मुक्त भारत के लिए "एक रोगी-एक पालक" योजना आदि के माध्यम से उन्होंने समाज में

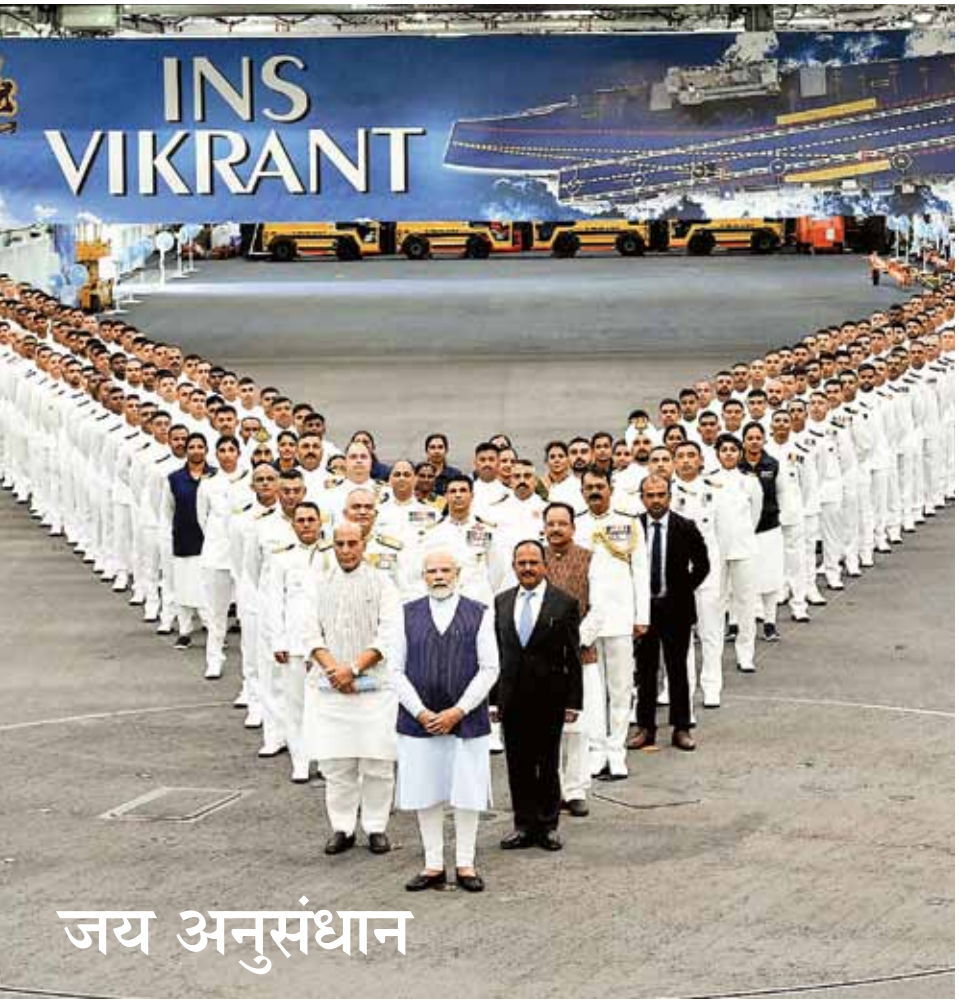

कर्तव्य बोध जगाने में सफलता प्राप्त की है। स्वयं भी इन कार्यों के प्रेरणा के लिए वह समुद्र किनारे कूड़ा- करकट उठाते, हाथ में झाड़ू लेकर सफाई करते दिखाई देते हैं।

भारतीय वैज्ञानिकों में प्रेरणा का परिणाम हुआ कि हम अपनी वैक्सीन बनाने में सफल हुए। दीपावली के दिन सैनिकों के मध्य उपस्थित होकर प्रेरणा देने का परिणाम हुआ कि प्रत्येक सैनिक सीमा पर साहस के साथ खड़ा है। उद्योग जगत प्रेरित होने का परिणाम हुआ कि हम पीपी किट एवं वेंटीलेटर बनाने में अग्रणी हो गये। आत्मनिर्भर संकल्प का परिणाम हुआ कि हम दुनिया में अर्थव्यवस्था में पांचवें पायदान पर आ गए। मेक इन इंडिया एवं मेक फॉर वर्ल्ड पॉलिसी का परिणाम हुआ कि अब हम सुरक्षा क्षेत्र में भी निर्यात वाले देश हो गए। अब महिला, उद्योग जगत, किसान, मजदूर, सैनिक, शिक्षक, युवा, गरीब, पिछड़े सभी को लगता है कि मोदी जी ही हमारी आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे। इस कारण समाज का प्रत्येक वर्ग देश के विकास में सहायक हो रहा है। लाल किले की प्राचीर से उनका आह्वान कि हमारी पॉलिसी, प्रोसेस एवं प्रोडक्ट उत्तम से उत्तम हो सभी वर्गों के लिए प्रेरक शब्द है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की जन अनुभूति - प्रसिद्ध जननेता संपूर्ण क्रांति के महानायक जयप्रकाश नारायण ने कहा कि " जब तक जनता में समुचित नैतिकता एवं आध्यात्मिक गुण विकसित नहीं होते तब तक सर्वोत्तम संविधान व राजनीतिक प्रणालियां भी लोकतंत्र को सफल नहीं बना सकती।"

उपरोक्त का विचार यदि हम करते हैं तब मोदी जी ने अपने व्यवहार के द्वारा समाज में इन गुणों के विकास का प्रयास किया। संविधान एवं संसद की सीढ़ियों को मस्तक झुका कर प्रणाम, योग विद्या का संवर्धन, आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्थानों पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए उपस्थिति, समाज में नैतिकता एवं आध्यात्मिकता विकसित करती है। "बंधुत्व" भाव जागरण के लिए हम एक देश के वासी 130 करोड़ भारतीयों का आह्वान, उच्च स्वर में सर्वत्र भारत मां की जय का उद्घोष, सामाज में देशभक्ति एवं बंधुत्व भाव जागृत करता है। नई शिक्षा नीति भी नैतिक गुणों के विकास का माध्यम बनेगी। लाल किले से उनका आह्वान गुलामी की मानसिकता के सभी प्रतीकों को समाप्त करना है, समाज में एक नए स्वाभिमान को जागृत करेगा। प्रधानमंत्री आवास 7 R.C.R अब लोक कल्याण मार्ग हो गया है। राजपथ कर्तव्य पथ के नाम से विभूषित हुआ है। इन सभी का परिणाम है कि भारतीय जनमानस संकुचित भावो से ऊपर उठकर स्वाभिमान के साथ खड़ा हो रहा है।

भविष्य के लिए जन संकल्प – जब जनता के सम्मुख कोई लक्ष्य रहता है। तब सामान्य जनता में भी असामान्य कतृत्व प्रकट होता है। समाज के सभी वर्गों एवं भगौलिक क्षेत्रों से स्वतंत्रता के आंदोलन में सक्रियता इसी का उदाहरण है। दुनिया के देश भी इसी संकल्प शक्ति से आगे बढे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव में तिरंगा यात्रा में यह संकल्प पुनः प्रकट हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आर्थिक क्षेत्र में हमारी अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन करने का लक्ष्य रखा है। देश इस संकल्प को लेकर आगे बढ़ता दिख रहा है।

जब हम देश की स्वतंत्रता के 100 वर्षों का महोत्सव मना रहे होंगे तब हमारा देश कैसा होगा यह स्वप्न देश की जनता देख रही है। 25 वर्षों के अमृतकाल का उपयोग अपने देश को गौरवशाली देश बनाने के लिए हो, यह संकल्प जनता में जागृत होना चाहिए। गरीबी से मुक्त आर्थिक संपन्न, शिक्षा में अग्रणी, सुरक्षित, समरस, सांस्कृतिक क्षेत्र में विश्व का सही पथ का दर्शन कराने वाला भारत हम बनाएंगे यही संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जनता में यह संकल्प जगाने के लिए प्रयासरत हैं, परिश्रम की पराकाष्ठा भी कर रहे हैं। हमारा एवं उनका संकल्प एक बने इसकी आवश्यकता है। परमात्मा उनको सुदीर्घ आयु प्रदान करें, जन्मदिवस पर यही प्रार्थना है। ●●●

(राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, भाजपा)

कांग्रेस की नाकामियां ही हमारे सत्ता तक पहुंचने के रास्ते को आसान बनाएंगी: नारायण चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल का मानना है कि भाजपा का नेटवर्क गांवों तक, बूथों तक है। 2023 के चुनाव में प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। रही बात चुनौती कि तो हमारे सामने बहुत ज्यादा चुनौती नहीं है। कांग्रेस की जो नाकामियां हैं वे हमारे सत्ता तक पहुंचने के रास्ते को आसान करने वाली हैं। श्री चंदेल ने **भास्कर** से कई मुद्दों पर बातचीत की।

भाजपा के सामने 2023 के चुनाव में किस तरह की चुनौतियां हैं?

- कोई चुनौती नहीं है, कांग्रेस की नाकामियां ही हमारे सत्ता तक पहुंचने के रास्ते को आसान बनाएंगी।

नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव को किस रूप में देखते हैं?

-भाजपा में जो भी पार्टी हाईकमान का निर्देश होता है वह शिरोधार्य होता है। हम छोटे कार्यकर्ताओं को चुनावी वर्ष में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी है। इसलिए पार्टी की कसौटी पर हम खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

हमारी पार्टी की कार्यपद्धति सभी समाज को साथ लेकर चलने की रही है। मोदी जी ने कहा है, सबका साथ-सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास। इस ध्येय को लेकर हमें काम करने की जरूरत है।

यह आंकलन किया था कि 15 साल सत्ता में रहने के बाद भाजपा हार जाएगी?

-15 साल की सरकार में कई बार लोग बदलाव चाहते हैं। उसी प्रक्रिया में लोगों ने बदलाव चाहा। हमें इस बात का आभास नहीं था कि हम 15 पर आ जाएंगे। चुनाव आते- आते लगने लगा था कि हम चुनाव हार जाएंगे।

क्या हार के कारणों की पड़ताल कर ली गई है और इसे दूर कर लिया गया है?

-पार्टी फोरम में इसकी समीक्षा होती है। पिछले साल जगदलपुर में दो दिन की चिंतन बैठक हुई। परिणाम को लेकर आगे की रणनीति और कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

एक कार्यकर्ता के रूप में हार को लेकर आपका क्या आंकलन था?

-कांग्रेस का ये नारा चल गया था कि वक्त है बदलाव का। दूसरा, किसानों को समर्थन मूल्य में धान खरीदी का असर भी गांवों तक गया।

इस बार चुनाव में क्या चुनौती है?

-सब लोग मिलकर परिश्रम करेंगे। भाजपा का नेटवर्क गांवों तक है, बूथों तक है। 2023 के चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। हमारे सामने बहुत ज्यादा चुनौती नहीं है। इनकी जो नाकामियां हैं वे हमारे सत्ता तक पहुंचने के रास्ते को आसान करने वाली है।

सत्ता में वापसी के लिए भाजपा में किस तरह का बदलाव देखना चाहते हैं?

-हमारे नए प्रदेश अध्यक्ष कैडर से हैं। ऊर्जावान और जुझारू हैं। मेरी जानकारी के अनुसार, उनकी नई टीम बनने वाली है। सबसे बड़ी बात है टीम वर्क के साथ काम करना। आम जनता भाजपा को लाना चाहती है। लोगों का मानस बनने लगा है। चुनाव आते आते वह पूरी तरह तैयार हो जाएगा। अब लोग कहने लगे हैं कि भूपेश की सरकार को जाना चाहिए और भाजपा की सरकार आनी चाहिए। ●●●

भास्कर से साभार

छत्तीसगढ़ 21 सितंबर 2022

कांग्रेस ने षड्यंत्र करके आदिवासी आरक्षण में कराई कटौती : भाजपा

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद कुमार साय, रामविचार नेताम, विष्णु देव साय, विक्रम उसेंडी,केदार कश्यप, महेश गागड़ा, विकास मरकाम ने आदिवासी आरक्षण में कटौती के लिए कांग्रेस पर साजिश करने का आरोप लगाया है। संयुक्त पत्रकार वार्ता में भाजपा नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आदिवासी समाज के हित में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उनके आरक्षण को 20 फीसदी से 32 प्रतिशत किया। एकमुश्त 12 प्रतिशत की वृद्धि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने ही की और उसे लागू रखने में कामयाबी हासिल की। जो कांग्रेस को नागवार गुजर रही थी इसलिए कांग्रेस की सरकार जान बूझकर मुकदमा हार गई, ताकि आदिवासी आरक्षण में कटौती का उसका लक्ष्य हासिल हो जाय। कांग्रेस ने सुनियोजित तरीके से आदिवासियों के हितों पर आघात किया है। कांग्रेस जिस डाटा में गड़बड़ी का तर्क दे रही है, वह कांग्रेस की कुटिलता का प्रमाण है। कांग्रेस क्या चार साल से सो रही है और अब जागने पर उसे आंकड़ों में त्रुटि नजर आ रही है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में भी हारने का अग्रिम इंतजाम कर लिया है।

इत्तेफाक की बात है कि जिस रोज बिलासपुर हाई कोर्ट में आरक्षण का मामला चल रहा था, दूसरे तरफ सुप्रीम कोर्ट में उसी दिन उसी समय कांग्रेस की सरकार पर एक गंभीर आरोप लग रहा था कि वह छत्तीसगढ़ में हुए घोटाले के आरोपी अधिकारियों को गलत तरीके से बचाने का प्रयास कर रही है और यह आरोप किसी छोटे व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सीधा मुख्यमंत्री और उनसे जुड़े लोगों पर लगा।

एक तरफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बड़े और दिग्गज वकील जिनकी एक पेशी की फीस लगभग 25 -25 लाख है, जिनमें प्रमुखता से कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, श्री द्विवेदी के साथ अन्य वकीलों की फौज भ्रष्टाचारियों को बचाने लड़ती रही और दूसरी तरफ हाई कोर्ट में आदिवासी समुदाय के आरक्षण के मुद्दे पर, जिससे जनजाति समाज का भला हो रहा था, इसकी पैरवी करने के लिए किसी बड़े वकील को नहीं लगाया गया ।

यह कांग्रेस सरकार की मंशा को जाहिर करता है। उसकी नीयत आदिवासी समाज के प्रति खोटी है। कांग्रेस के नेता लगातार बयान देते रहे हैं कि आदिवासी पंचर बनाने का काम करें। ये कभी नहीं चाहते कि आदिवासी समाज आगे बढ़े। इसीलिए एक महिला आदिवासी जब राष्ट्रपति बन रही थी, तब उनकी राह में रोड़ा अटकाने का काम कांग्रेस ने किया और एक महिला आदिवासी राष्ट्रपति न बन सके, इसके लिए वोट किया। जब उनका छत्तीसगढ़ का दौरा हुआ, तब कांग्रेस के नेताओं ने उनसे मिलना तक सही नहीं समझा। यहां तक कि मुख्यमंत्री पद पर आसीन व्यक्ति तक ने सम्पर्क करने पर फोन तक नहीं उठाया और विचारधारा पर बयानबाजी करते रहे। इनकी विचारधारा ही आदिवासी विरोधी है। कांग्रेस की सरकार ने आरक्षण मामले में भी आदिवासी समाज को धोखा दिया। यह आदिवासी समाज का बहुत- बहुत - बहुत बड़ा अपमान है।

जब छत्तीसगढ़ कांग्रेस को मौका मिला कि वह आदिवासी समाज के किसी नेता को राज्यसभा भेजकर छत्तीसगढ़ के हितों की बात करवाए, आदिवासी समाज के हितों की बात करवाएं, तब उसने प्रदेश के बाहर से आयातित तीन लोगों को, जिनका छत्तीसगढ़ से कोई मतलब नहीं है, उन्हे गांधी परिवार का आदेश मान कर राज्य सभा भेज दिया। कांग्रेस पार्टी आदिवासियों से नफरत करती है। उन्हें आगे बढ़ते देखना नहीं चाहती, इसीलिए उन्हें मिल रहा आरक्षण कम कराने का फार्मूला निकालने षड्यंत्र रचा गया और सलीके से पैरवी नहीं कराई। ●●●

भाजपा पदाधिकारियों की घोषणा

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष श्री अरूण साव ने राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति से प्रदेश पदाधिकारियों, मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी सेल सयोजकों, प्रदेश प्रवक्ताओं, प्रदेश मोर्चा अध्यक्षों, संभागीय प्रभारी की घोषणा कर दी है जो कि निम्नानुसार हैं-

प्रदेशाध्यक्ष श्री अरूण साव

पद	नाम
प्रदेश उपाध्यक्ष	श्री शिवरतन शर्मा, बलौदाबाजार। श्री निर्मल सिन्हा, जांजगीर चांपा। श्री मधुसुदन यादव, राजनांदगांव। श्री लखनलाल देवांगन, कोरबा। श्री भूपेन्द्र सवन्नी, बिलासपुर। श्रीमती सरला कोसरिया, महासमुंद। श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, बलरामपुर। श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, रायपुर।
प्रदेश महामंत्री	श्री केदार कश्यप, नारायणपुर। श्री विजय शर्मा, कवर्धा। श्री औपी चौधरी, रायगढ़।
प्रदेश महामंत्री (संगठन)	श्री पवन साय, जशपुर।
प्रदेश मंत्री-	श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, जशपुर। श्री अवधेश चंदेल, बेमेतरा। श्री जगदीश रामू रोहरा, धमतरी। श्रीमती परमेश्वरी राजवाड़े, सूरजपुर। श्रीमती ओजस्वी मंडावी, दंतेवाड़ा। श्री किशोर महानंद, रायपुर। श्रीमती श्यामा बाई साहू, बलौदाबाजार। श्री महेश जैन, कांकेर।
प्रदेश कोषाध्यक्ष	श्री नंदन जैन, रायपुर।
प्रदेश कार्यालय प्रभारी	श्री नरेश गुप्ता, रायपुर।
प्रदेश कार्यालय सह-प्रभारी	श्री रजनीश शुक्ला, रायुपर।
प्रदेश मीडिया प्रभारी	श्री अमित चिमनानी, रायपुर।
प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी	श्री अनुराग अग्रवाल, रायपुर।

नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल

पद	नाम
प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी	श्री प्रशान्त सिंह ठाकुर, जांजगीर चांपा ।
प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक	श्री सोमेश चन्द्र पाण्डेय, रायपुर।
प्रदेश सोशल मीडिया सह संयोजक	श्री मितुल कोठारी, रायपुर।
आई.टी. सेल संयोजक	श्री सुनिल पिल्लई, रायपुर।
आईटी सेल सह-संयोजक	श्री आदित्य कुरिल, रायपुर।
प्रदेश प्रवक्ता	श्री अजय चंद्राकर (मुख्य प्रवक्ता), धमतरी। श्री राजेश मूणत, रायपुर। डॉ.कृष्णमूर्ति बांधी, बिलासपुर। श्रीमती रंजना साहू, धमतरी। श्री अनुराग सिंह देव, सरगुजा। श्री नीलू शर्मा, राजनांदगांव। श्री संदीप शर्मा, गरियाबंद। श्री केदारनाथ गुप्ता, रायपुर। श्री देवलाल ठाकुर, बालोद। श्री दीपक म्हस्के, रायपुर। श्री अमित साहू, रायपुर। श्री नलिनिश ठोकने, रायपुर।
प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा	श्री रवि भगत, रायगढ़।
प्रदेश अध्यक्ष महिला महिला मोर्चा	श्रीमती शालिनी राजपूत, कांकेर।
प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा	श्री पवन कुमार साहू, बालोद।
प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा	श्री भरतलाल वर्मा, राजनांदगांव।
प्रदेश अध्यक्ष अजजा मोर्चा	श्री विकास मरकाम, रायपुर।
प्रदेश अध्यक्ष अजा मोर्चा	श्री नवीन मारकण्डे, रायपुर ग्रामीण।
प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा	श्री शकील अहमद, रायगढ़।
संभागीय संगीय प्रभारी बस्तर	श्री संतोष पाण्डेय, कवर्धा।
संभागीय प्रभारी दुर्ग	श्री भूपेन्द्र सवन्नी, बिलासपुर।
संभागीय प्रभारी बिलासपुर	श्री किरण देव, बस्तर।
संभागीय प्रभारी सरगुजा	श्री संजय श्रीवास्तव, रायपुर।
संभागीय प्रभारी रायपुर	श्री सौरभ सिंह, जांजगीर-चांपा।

प्रदेश प्रभारी श्री ओमप्रकाश माथुर

भाई-बहिन की पार्टी चला रहे हैं भूपेशः नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विचारधारा की नहीं,बल्कि भाई बहिन की पार्टी चला रहे हैं। छत्तीसगढ़ में माफिया राज चल रहा है। कांग्रेस की राज्य सरकार विकास विरोधी है। छत्तीसगढ़ में जितना विकास हुआ, वह भाजपा की सरकार ने किया। कांग्रेस की सरकार ने विकास पर विराम लगा दिया। एक ही काम किया है, वह है शराब की ऑनलाइन सप्लाई।

भाजपा अध्यक्ष श्री जगतप्रकाश नड्डा ने आज यहां साइंस कॉलेज मैदान पर आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में केंद्र सरकार के लोकहितैषी कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि 33 लाख महिलाओं को सम्मान दिया है।

श्री नड्डा ने राज्य की भूपेश बघेल सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस सरकार को गरीबों की चिंता नहीं है। केवल कांग्रेस का खजाना भरने की चिंता है। कांग्रेस सरकार आयुष्मान भारत योजना में अंशदान नहीं देती। छत्तीसगढ़ में रेत, शराब, कोल, आयरन ओर माफिया सक्रिय हैं। महिला उत्पीड़न बढ़ा है। कानून व्यवस्था ठप हो गई है। भूपेश बघेल को केवल एक परिवार की चिंता है।

भाजपा अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार ने कई मेडिकल कॉलेज दिए। स्मार्ट सिटी भाजपा की केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को दी हैं। किसान निधि, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना सहित केंद्र सरकार की योजनाओं से छत्तीसगढ़ की जनता को लाभ मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीबों को आवास दिए गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सेवा ही हमारा लक्ष्य है। सत्ता माध्यम हो सकती है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद देश के लिए खतरनाक है। आज तमाम पार्टियां परिवारवाद के आधार पर चल रही हैं। केवल भाजपा है जो विचारधारा के आधार पर जनसेवा का लक्ष्य पूरा करती है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश के बहुत बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बाप बेटे की समाजवादी पार्टी चल रही है। पश्चिम बंगाल में बुआ भतीजे की तृणमूल कांग्रेस चल रही है। उन्होंने परिवारवाद पर आधारित कई पार्टियों के उदाहरण देते हुए बताया कि इस तरह की पार्टियां जनता के लिए काम नहीं कर सकतीं। उन्होंने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर कहा कि पहले कांग्रेस तो जोड़ लें। 50-50 साल पुराने नेता कांग्रेस छोड़कर जा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की राजनीतिक संस्कृति बदल दी है अब जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर जाना पड़ेगा।

बूथ कार्यकर्ता का सम्मान करने आये भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

हमारी लड़ाई वंशवाद के खिलाफ

भूपेश बघेल सरकार विकास विरोधी

छत्तीसगढ़ में चल रहा माफियाराज

अभिनंदन

भूपेश बघेल सरकार की जड़ें हिल गईं : डॉ. रमन

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भूपेश बघेल जहां जहां जा रहे हैं, वहां वहां कांग्रेस का बंटाधार हो रहा है। असम गए तो कांग्रेस हार गई, यूपी गए तो कांग्रेस साफ हो गई। अब हिमाचल जा रहे हैं। उन्होंने श्री नड्डा को हिमाचल में भाजपा की जीत की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में उन्हें यह खुशखबरी है कि भूपेश बघेल हिमाचल जा रहे हैं। डॉ. रमन सिंह ने कांग्रेस की सरकार पर जनघोषणा पत्र के वादे पूरे न करने पर जमकर निशाना साधा। डॉ रमन सिंह ने कहा कि गांव गांव में सबसे बड़े लबरा भूपेश बघेल कहे जा रहे हैं छत्तीसगढ़ में माफिया काम कर रहा है। लगातार आंदोलन हो रहे हैं। भाजपा की युवा शक्ति ने 24 अगस्त को ताकत दिखाई, इससे भूपेश बघेल सरकार की जड़ें हिल गई हैं। सोनिया गांधी का एटीएम कौन है, यह सबको मालूम है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि सेनापति साथ हैं। 23 के चुनाव में भाजपा जीतेगी। उन्होंने बूथ कार्यकर्ताओं को इस विजय के लिए संकल्प दिलाया।

बघेल ने छत्तीसगढ़ को ठगाः साव

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने धाराप्रवाह छत्तीसगढ़ी में कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अंचल कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं के रहते हमेशा उपेक्षित रहा। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ बनाया और संख्या बल के आधार पर कांग्रेस की जो पहली सरकार बनी, वह तानाशाही सरकार थी। उसे इन्हीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने उखाड़ फेंका। भाजपा कार्यकर्ताओं ने तीन बार विधानसभा चुनाव जीते हैं। अब अगली बार चुनाव में फिर कमल खिलेगा। पौने 4 साल में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने केवल अत्याचार किया है। अन्याय किया है। भ्रष्टाचार किया है। पूरे छत्तीसगढ़ को ठगा है। राजधानी से लेकर न्यायधानी तक सुरक्षित नहीं है। राज्य में माफिया राज चल रहा है। आतंक का राज है। यह सरकार गरीब विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी, किसान विरोधी, कर्मचारी विरोधी सरकार है। किसान के साथ सबसे ज्यादा अन्याय हुआ है। 23 हजार बूथों के कार्यकर्ता अपने सेनापति के सामने संकल्प ले रहे हैं कि अगले साल छत्तीसगढ़ में फिर कमल खिलेगा और मोदी जी के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ का विकास फिर से शुरू होगा।

पेंटिंग और रंगोली

भूपेश ने विश्वासघात किया: पुरंदेश्वरी

तात्कालीन प्रदेश भाजपा प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी ने कहा कि भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की जनता के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने जनता से जो भी वादे किए थे, उनसे मुकर गए। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल इतने बड़े झूठे हैं की जनता के साथ तो वादाखिलाफी उन्होंने की ही है, कांग्रेसियों को भी नहीं बख्शा। अपने वरिष्ठ साथियों टीएस सिंहदेव और ताम्रध्वज साहू को भी नहीं बख्शते हैं। छत्तीसगढ़ में ऐसा कोई बचा नहीं है जिसे भूपेश बघेल ने ठगा नहीं है।

भाजपा ने मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाकर मिसाल पेश की : चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकने का आव्हान किया कि जनता के साथ बेईमानी करने वालों का राज बदल दो। जनता भाजपा के साथ है। कांग्रेस के राज में छत्तीसगढ़ का विकास थम गया है। भाजपा ने जो विकास किया, उस पर भी कांग्रेस का ग्रहण लग गया है। लेकिन रात उनकी है तो सुबह हमारी होगी। उन्होंने पार्टी की आदिवासी समाज और महिला उत्थान की नीतियों का हवाला देते हुए कहा कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को भाजपा ने राष्ट्रपति बनाया है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।

तीस जिलों के बूथ अध्यक्षों का सम्मान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कार्यकर्ता सम्मेलन में 30 जिलों के बूथ अध्यक्षों का सम्मान तथा संवाद किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री सरोज पांडेय, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, वरिष्ठ नेता नंदकुमार साय, ननकीराम कंवर, रामविचार नेताम, पुन्नूलाल मोहले, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, सांसद सुनील सोनी सहित सभी सांसद, विधायक एवं नेता उपस्थित थे। ●●●

10 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिल रहा 'नल से जल'

गत 19 अगस्त, 2022 को जल जीवन मिशन ने 10 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराकर एक नई मिसाल कायम की। गौरतलब है कि 15 अगस्त, 2019 को जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जल जीवन मिशन की शुरुआत की, गांवों में केवल 3.23 करोड़ (16.90%) घरों में पाइप से पानी का कनेक्शन था।

अभी तक 3 राज्यों (गोवा, तेलंगाना और हरियाणा) और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (पुडुचेरी, दादरा व नगर हवेली एवं दमन दीव तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) ने 100% कवरेज की सूचना दी है। पंजाब में 99.93%, गुजरात में 97.03%, बिहार में 95.51% और हिमाचल प्रदेश में 94.88% भी जल्द ही लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयार हैं। 7 अगस्त, 2022 को गोवा तथा दादरा व नगर हवेली एवं दमन दीव देश में क्रमशः पहला 'हर घर जल' प्रमाणित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश बन गए, जहां सभी गांवों के लोगों ने पर्याप्त, सुरक्षित और नियमित उपलब्धता की पुष्टि की। ग्राम सभा के माध्यम से गांवों के सभी घरों में पानी की आपूर्ति की जा रही है।

मिशन का मकसद हरेक ग्रामीण परिवार को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर निर्धारित गुणवत्ता की पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराना है। कोविड-19 महामारी जैसी विभिन्न बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हर ग्रामीण घर में नल का पानी सुनिश्चित करने के लिए मौसम की खराब स्थिति, दूर-दराज के दुर्गम इलाकों, पहाड़ियों, जंगल आदि जैसी चुनौतियों पर काबू पाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। कई बार पाइप

और अन्य उपकरण हेलीकॉप्टरों, नावों, ऊंटों, हाथियों और घोड़ों पर ले जाया जाता है।

केंद्र और राज्य सरकारों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप देश में 8.67 लाख (84.35%) स्कूलों और 8.96 लाख (80.34%) आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। हमारे देश के 117 आकांक्षी जिलों में, मिशन के शुभारंभ के समय, केवल 24.32 लाख (7.57%) घरों में नल का पानी था जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ (48.0%) हो गया है।

'जल जीवन मिशन' के शुभारंभ के समय देश के 117 आकांक्षी जिलों में केवल 24.32 लाख (7.57%) घरों में नल का पानी था, जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ (48.0%) हो गया है

देश में कुल 5.08 लाख ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों, पानी समितियों का गठन किया गया है। साथ ही, 4.78 लाख ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तैयार की गई हैं। मिशन अवधि के दौरान देश में कुल 2,070 जल परीक्षण प्रयोगशालाओं को विकसित, सुदृढ़ और सूचीबद्ध किया गया है। जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के माध्यम से अब तक 4.51 लाख गांवों में 64 लाख से अधिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए जा चुके हैं। अब तक 10.8 लाख ग्रामीण महिलाओं को फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। एफटीके का उपयोग करते हुए 1.7 लाख गांवों में प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा 58 लाख से अधिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए गए हैं।

सरकार की उपलब्धियां

देशभर में 14,500 से भी अधिक स्कूलों को 'पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया' के रूप में किया जाएगा विकसित

पीएम श्री स्कूलों का उद्देश्य न केवल गुणात्मक शिक्षण, शिक्षा और संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास करना होगा, बल्कि 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र एवं हरफनमौला विद्यार्थियों को तैयार करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच सितंबर को एक नई पहल 'पीएम श्री स्कूल्स (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया)' की घोषणा की। यह देशभर में 14,500 से भी अधिक स्कूलों को उन्नत और विकसित करने के लिए एक नई केंद्र प्रायोजित योजना होगी, जिसके तहत केंद्र सरकार/राज्य/केंद्रशासित, प्रदेश सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से चयनित मौजूदा स्कूलों को मजबूत बनाया जाएगा।

पीएम श्री स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी घटकों या विशेषताओं का समावेश होगा और ये अनुकरणीय स्कूलों के रूप में कार्य करेंगे और इसके साथ ही अपने आसपास के अन्य स्कूलों का भी मार्गदर्शन करेंगे। इन स्कूलों का उद्देश्य न केवल गुणात्मक शिक्षण, शिक्षा और संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास करना होगा, बल्कि 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र एवं हरफनमौला विद्यार्थियों को तैयार करना होगा।

इन स्कूलों में अध्यापन कहीं अधिक अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, खेल/खिलौना आधारित (विशेषकर आरंभिक वर्षों में), पूछताछ-आधारित, खोज-उन्मुख, शिक्षार्थी-केंद्रित, चर्चा-आधारित, लचीला और आनंददायक होगा। प्रत्येक कक्षा में प्रत्येक बच्चे द्वारा ज्ञान प्राप्ति में दक्षता प्राप्त करने पर ध्यान दिया जाएगा। सभी स्तरों पर आकलन वैचारिक समझ और वास्तविक जीवन जैसी स्थितियों में संबंधित ज्ञान या जानकारियों के उपयोग पर आधारित होगा और क्षमता आधारित होगा।

ये स्कूल आधुनिक बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित होंगे जिनमें लैब, स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय, खेल उपकरण, आर्ट रूम, इत्यादि शामिल हैं जो समावेशी और सुगम्य हैं। इन स्कूलों को पाठ्यक्रम में जल संरक्षण, अपशिष्ट पुनर्चक्रण, कम ऊर्जा खपत वाली बुनियादी ढांचागत सुविधाओं और छात्रों एवं पर्यावरण के लिए स्वस्थ जीवन शैली का एकीकरण करके 'हरित स्कूलों' के रूप में भी विकसित किया जाएगा।

ये स्कूल अपने-अपने क्षेत्रों में एक ऐसे एकसमान, समावेशी और आनंदमय स्कूली माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में नेतृत्व करेंगे, जिसमें बच्चों की विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी जरूरतों एवं विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ख्याल रखा जाएगा और इसके साथ ही एनईपी 2020 के विजन के अनुसार उन्हें स्वयं सीखने की प्रक्रिया में भागीदार बनाएगा।

ब्रिटेन को पीछे छोड़ भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

गत तीन सितंबर को जारी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 2022 के अंत में ब्रिटेन को पीछे छोड़ भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह गणना आईएमएफ डेटाबेस और विनिमय दरों पर आधारित थी। उल्लेखनीय है कि उसके आगे अब सिर्फ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। यह दूसरी बार है जब भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ा है, जबकि 2019 में पहली बार भारत की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था से आगे हुई थी। डॉलर एक्सचेंज रेट के हिसाब से नॉमिनल कैश टर्म्स में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार मार्च तिमाही में 854.7 अरब डॉलर रहा। इसी आधार पर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का आकार 814 अरब डॉलर था।

प्रदेश की खस्ताहाल सड़कों के विरोध में जमकर ट्रेंड हुआ हैशटैग #लबराकेडबरा

भारतीय जनता पार्टी सोशल मीडिया विभाग द्वारा प्रदेश की खराब व खस्ताहाल सड़कों के विरोध में सोशल मीडिया के ट्वीटर में #लबराकेडबरा अभियान चलाया गया। यह ट्विटर ट्रेंड दिन भर ट्विटर पर छाया रहा। प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं आम जनता ने प्रदेश की खस्ताहाल सड़कों के विरोध में जमकर अपनी भड़ास सोशल मीडिया पर निकाली। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के सोशल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सोशल मीडिया विभाग ने छत्तीसगढ़ में सड़कों की खराब हालत, चारो ओर व्याप्त अव्यवस्था एवं सरकार की नजरअंदाजी का विरोध सोशल मीडिया के माध्यम से ट्वीटर ट्रेंड #लबराकेडबरा के चला कर प्रदेशवासियों की आवाज़ बुलंद की। उन्होंने बताया कि पौने 4 सालों में कांग्रेस सरकार की नाकामी के चलते प्रदेश में हर जिला, हर तहसील, हर गांव की सड़कें जर्जर हो चुकी है और गड्ढों से भरी है, आये दिन दुर्घटनाएं हो रही है, लोगों की जान जा रही है, और प्रदेश की निकम्मी भूपेश सरकार अपनी सत्ता की विलासिता में मस्त है। साथ ही कहा कि सड़कों की खराब हालत से आज आम जनता परेशान हैं इसलिए आज ट्रेंड में शामिल होने भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं सहित कांग्रेस सरकार की नाकामी से त्रस्त जनता ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और अपने क्षेत्र की गड्ढों भरी सड़क की फोटो हैशटैग के साथ पोस्ट कर सरकार को जागृत करने का काम किया।भाजपा सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक सोमेश पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश की जनता ने कई बार शासन-प्रशासन से सड़कों की मरम्मत की मांग कर चुके हैं, परंतु सरकार के कानो तले जूँ तक नहीं रेंगी। स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सड़कों की हालत से भली-भांति परिचित हैं, इसलिए वह छोटी सी छोटी दूरी उड़न खटोला के माध्यम से तय करते हैं। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ सोशल मीडिया सह संयोजक मितुल कोठारी ने #लबराकेडबरा हैशटैग ट्रेंड में हिस्सा लेकर भूपेश सरकार को जागृत करने के लिए भाजपा वरिष्ठ नेताओं, भाजपा कार्यकर्ताओं सहित जनता का आभार व्यक्त किया।

आरक्षण पर भूपेश सरकार की नीयत में खोट का नतीजा सामने आया : डॉ. रमन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने उच्च न्यायालय द्वारा आरक्षण के विषय पर दिए गए निर्णय को कांग्रेस सरकार की बड़ी विफलता करार देते हुए कहा कि इस सरकार ने विषय को गंभीरता से नहीं लिया। हमारी सरकार आरक्षण के मुद्दे पर काफी गंभीर थी और हमने फैसला भी लिया था लेकिन कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने इस महत्वपूर्ण मामले में पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं दिखाई, सरकार सही तरीके से पक्ष नहीं रख पाई, जिससे आरक्षण कम हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने यदि अदालत में मजबूती से पक्ष रखा होता तो यह स्थिति नहीं होती। कांग्रेस की नीयत में खोट है। यह उसकी सरकार की अगम्भीरता से प्रमाणित हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भूपेश बघेल सरकार नान घोटाले के दोषियों को बचाने सुप्रीम कोर्ट के बड़े बड़े नामी वकील लगाती है लेकिन आरक्षण के मुद्दे पर कोई ढंग का वकील लगाया गया।

कांग्रेस की भारत जोड़ो नहीं, फंड बटोरो यात्रा : बृजमोहन

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्वमंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के एटीएम से भरपूर पैसा पहुंचने के बावजूद कांग्रेस कंपनी की धन लिप्सा अधूरी रह गई है जो अब कांग्रेस केरल में कथित भारत जोड़ो यात्रा के लिए गरीब सब्जी वालों तक से अवैध वसूली कर रही है। अभी तो केरल से खुलासे की शुरुआत हुई है। कांग्रेस की लूटमार देश भर मेंचल रही है।

उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा लूट मची है। कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ में कोल, रेत, गिट्टी, सीमेंट, खाद, शराब में जनता को लूट रही है। कोरोना काल में गरीबों के लिए केंद्र की मोदी सरकार द्वारा भेजे गए चावल से हिस्सा निकालकर लगातार अपने आकाओं का पेट भर रही है। ये कांग्रेस गरीबों का राशन ही नहीं, उनके आवास तक खा गई। केंद्र की हर योजना में भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी कर अपने खास परिवार का खजाना भर रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्वमंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़, कांग्रेस का एटीएम और कांग्रेस तथा उसके मित्रों के बिकाऊ घोड़ों का चारागाह बना दिया गया है। हर तरह के माफिया पैदा कर राज्य को लूटा जा रहा है। भूपेश बघेल की सरकार ने छत्तीसगढ़ को कंगाली की स्थिति में ला दिया है और लूट का माल अपने मालिकों को पहुंचा रहे हैं। देश में जहां भी चुनाव होते हैं, वहां कांग्रेस के लिए फंडिंग करने छत्तीसगढ़ की जनता का खून चूसने का ठेका भूपेश बघेल ने ले रखा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्वमंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह कांग्रेस की भारत जोड़ो नहीं, फंड बटोरो यात्रा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस वसूली यात्रा पर निकल पड़ी है। यह यात्रा जहां जहां जायेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव एवं नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल जी के सघन दौरे से कांग्रेस में मची खलबली

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव एव नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल के दौरे से कांग्रेस में हड़कम्प मचा है।

कांग्रेस के नेताओं के पेट में दर्द होने लगा है। कांग्रेस के नेता एवं मंत्री गण उल जुलूल बयान देने लगे है जिस का रुझान समय-समय पर आते रहा श्री ठाकुर ने मंत्री भगत के बयान कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों का सम्मान नहीं करती चाटुकारिता से प्रेरित है।

देवलाल ठाकुर ने कहा बात आदिवासियों की सम्मान की तो भारतीय भारतीय जनता पार्टी ने आदिवासी समाज को जो सम्मान दिया वो कांग्रेस ने 70 सालों में भी नहीं दे सकी आदिवासी समाज की महिला को भारत देश के सर्वोच्च शिखर पद पर सुशोभित कराया जिसके बारे में कांग्रेस ने 70 साल तक सोचा तक नहीं ऐसे में कांग्रेस के लोग क्या सम्मान की बात करते हैं जब-जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रही है तब तब आदिवासियों का अपमान हुआ है कांग्रेस ने आदिवासियों को सिर्फ वोट बैंक समझा है।

इस प्रदेश में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी तो आदिवासियों को 32% आरक्षण दिलाया लेकिन कांग्रेस की सरकार आते ही महज 4 सालों के अंदर वह आदिवासियों का आरक्षण 12% घटा दी क्या यही आदिवासियों का सम्मान है?

इतना ही नहीं इस प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आदिवासी परिवार के तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के लाभांश के करीब 900 करोड़ रुपये जो सरकार के पास जमा है जनजाति क्षेत्रों में खर्च होना था वह नही हुआ प्रदेश की कांग्रेस सरकार आदिवासी हितेषी होने का ढोंग करती है।

जब इस प्रदेश में हाथियों द्वारा कुचलकर कोई आदिवासी मारा जाता है तो उसे महज नाम मात्र का मुआवजा देते हैं और इस प्रदेश के मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश में जाकर 50 50 लाख रुपया का मुआवजा देते हैं क्या ऐसा कर कर इस प्रदेश के मुख्यमंत्री आदिवासियों के साथ न्याय कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस सरकार से जवाब चाहती है।

छत्तीसगढ़ की बेटियों मर्यादा का हर रोज चीरहरण हो रहा है, धृतराष्ट्र मौन हैं: रंजना

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने महिला उत्पीड़न की लगातार बढ़ती वारदातों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि इस सरकार में अब तक घर के बाहर महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं, अब घर के भीतर भी वे महफूज नहीं हैं। हर रोज घर में घुसकर बलात्कार, हत्या और मारपीट की वारदातें भूपेश बघेल सरकार का परफॉर्मेंस सर्टिफिकेट जारी कर रही हैं। राजधानी और न्यायधानी तक में महिलाओं की कोई सुरक्षा नहीं है। फूल सी बच्चियों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक से दरिंदगी हो रही है। बिलासपुर में नकाबपोश हमलावरों ने घर में घुसकर महिला को बुरी तरह पीटा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जवाब दें कि छत्तीसगढ़ में यह क्या हो रहा है? क्यों हो रहा है? किसके संरक्षण में हो रहा है? छत्तीसगढ़ की बेटियों की मर्यादा का हर रोज चीरहरण हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व उनके गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू धृतराष्ट्र क्यों बने हैं? याद रखें कि एक चीरहरण हस्तिनापुर की हस्ती मिटा देने की ताकत रखता है तो छत्तीसगढ़ में हर रोज हो रहे ये कृत्य कांग्रेस के हस्तिनापुर का क्या हाल करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल जी ने महिला मोर्चा के द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी ली एवं आगामी कार्य योजना से संबंधित जानकारी भी प्रदान किया।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई। प्रदेश पदाधिकारी बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए अब आशा और आकांक्षा का केंद्र भाजपा है। कांग्रेस ने छलकपट करके सत्ता हथियाने के बाद जनता को धोखा दिया है।

भाजपा पर टिप्पणी करने की बजाय कांग्रेस अपने लोगों को पार्टी छोड़ने से बचाने संघर्ष करे : भाजपा

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस द्वारा भाजपा की नई कार्यकारिणी पर टिप्पणी किये जाने पर कड़ा प्रतिवाद करते हुए कहा है कि भाजपा में बदलाव होना एक लोकत्रांतिक प्रकिया है लेकिन एक परिवार की गुलाम पार्टी को कभी बदलाव पसंद नही आते वो कभीं एक परिवार के बाहर देख ही नही पाते। श्री देवलाल ठाकुर ने कहा विश्व की यह सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी नेतृत्व तैयार करती है। प्रक्रिया के तहत समान अवसर देती है। कांग्रेसियों को भाजपा की संतुलित प्रदेश कार्यकारिणी पर अपनी घटिया मानसिकता का प्रदर्शन करने का न तो कोई अधिकार है और न ही इसकी जरूरत है।

एक परिवार की गुलामी करने वालों को बदलाव पसंद नहीं आते : भाजपा

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि कितने आश्चर्य की बात है कि दर्जन भर उपाध्यक्ष, तीन दर्जन सचिव, सैकड़ों, सह सचिव सहित तीन सैकड़ा कलाकारों वाला सर्कस चलाने वाले भाजपा की ठोस कार्यकारिणी पर प्रवचन दे रहे हैं। कार्यकाल पूरा करने के बाद भी कुर्सी से चिपके कांग्रेस अध्यक्ष की क्या हालत है, यह सबको पता है। अध्यक्ष के सामने ही कांग्रेस के दफ्तर में किस तरह जूतमपैजार होती है, यह भी जाहिर है। मुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष के बीच जो चल रहा है, वह भी सब देख रहे हैं। सत्ता की मलाई खाने के लिए सैकड़ों नेताओं को तैनात करने, तीन सौ नेताओं को संगठन में पद मिलने के बावजूद कांग्रेस में पदों के लिए जो सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, वह किसी से छुपे नहीं हैं। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता श्री देवलाल ठाकुर ने कहा कि जिस कांग्रेस की कार्यकारिणी अध्यक्ष के हटाये जाने तक भी गठित न हो पाई हो, जिस कांग्रेस में नए अध्यक्ष को पुराने अध्यक्ष की कार्यकारिणी से काम चलाना पड़ा हो, जिस कांग्रेस को अपना नया प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष नसीब न हो रहा हो, वह कांग्रेस अपनी कमजोरी देखे। कांग्रेस के लोग कम से कम इतना ही कर लें कि जो कांग्रेस छोड़ छोड़कर जा रहे हैं, उन्हें ही रोक लें।

निरीह आदिवासियों की मौत की जिम्मेदार भूपेश बघेल सरकार : गागड़ा

भाजपा के वरिष्ठ नेता व छत्तीसगढ़ के पूर्व वनमंत्री महेश गागड़ा ने बस्तर संभाग के बीजापुर- नारायणपुर जिलों के 7 गांवों में बीते 5 माह में 39 लोगों की अज्ञात बीमारी से मौत तथा 50 से ज्यादा लोगों के अब भी इसी अज्ञात जानलेवा बीमारी के बावजूद स्वास्थ्य सुविधाओं के अकाल की खबरों का हवाला देते हुए सवाल किया है कि छत्तीसगढ़ में सरकार नाम की कोई व्यवस्था है कि नहीं? बस्तर के गरीब आदिवासी इलाज के अभाव में लगातार दम तोड़ रहे हैं। 5 माह में स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया नहीं कराई गईं। स्वास्थ्य मंत्री बस्तर में क्या खाक विभागीय समीक्षा करके गायब हो जाते हैं? इस बीच मुख्यमंत्री कई दफा बस्तर की सैर कर तमाशा दिखा चुके हैं। बस्तर से इकलौते मंत्री को जुबानी डुगडुगी बजाने से फुर्सत नहीं है। आदिवासी विरोधी सरकार ने आदिवासियों की अकाल मौत का ठेका अज्ञात बीमारी को दे रखा है।

गंगाजल से भरे कलश कांग्रेस को भेंट किए, शायद भूले वादे याद आ जाएं: भाजपा

कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी को याद दिलाने एवं वादा पूर्ण करने महासमुन्द विधानसभा में गंगाजल के सम्मान में भाजपा मैदान में कार्यक्रम में गंगा पूजन, आमसभा एवं कलश यात्रा का आयोजन पटवारी कार्यालय के सामने महासमुंद में किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह एवं महासमुन्द लोकसभा के सांसद चुन्नीलाल साहू थे। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रमन सिंह ने कहा कि लबरा भूपेश सरकार आम जनता से लेकर कर्मचारियों, संविदा कर्मचारी, बेरोजगारों को मासिक भत्ता, महिला स्व सहायता समूह की कर्जमाफी, निराश्रित एवं वृद्धा पेंशन 1500 रु. छत्तीसगढ़ में पूर्ण शराब बंदी का वादा करके मुकर गई है। छत्तीसगढ़ में सड़कों के हालात बेहद गंभीर हैं। गोठानों का कोई ठिकाना नहीं है। गौवंश सड़क पर है। नरवा की भी हालत भी वैसी है। ऐसी लबरा सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है।

सांसद चुन्नीलाल साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि भूपेश सरकार अपने वादे से मुकर गई है। भूपेश सरकार ने हर वर्ग को ठगा है। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित 16 लाख परिवारों को बेघर कर दिया। प्रधानमंत्री नल जल योजना को लटकाकर आम जनता को शुद्ध पेयजल से वंचित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का पैसा उनके खातों में नहीं जा पा रहा है।

बघेल का शासनकाल जनजाति समाज के लिए काला अध्याय

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने भूपेश बघेल सरकार पर आदिवासी विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि भूपेश बघेल का शासनकाल जनजाति समाज के लिए काला अध्याय है। छ ग लोकसेवा आरक्षण संशोधन अधिनियम 2012 को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अपास्त किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा है कि विगत 4 वर्षों में भूपेश बघेल सरकार द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में गलत तथ्य प्रस्तुत करने के कारण जनजाति समाज के 32% आरक्षण पर कुठाराघात हुआ है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर माननीय उच्च न्यायालय में जनजाति समाज का पक्ष ठीक से नहीं रखने का आरोप लगाते हुए कहा है की कर्नाटक की रत्नप्रभा कमेटी के तर्ज पर पदोन्नति में आरक्षण का औचित्य साबित करने वाली गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट को बेवजह उच्च न्यायालय में पेश किया गया। इस कमेटी ने जनजाति समाज के बढ़े हुए आरक्षण का बचाव करने की जगह अन्य पिछड़ा वर्ग के संदर्भ को शामिल कर उच्च न्यायालय में गलत तथ्य प्रस्तुत किया। कांग्रेस सरकार की इस गलती का खामियाजा अब जनजाति समाज को चुकाना पड़ेगा। लिहाजा उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अब अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 32% से घटकर 20% हो सकता है। भाजपा नेता ने जानकारी देते हुए बताया की डॉ रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने 2012 में जनजाति समाज को प्रदेश में उनकी जनसंख्या के अनुपात में 32% आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था और 2018 में सरकार रहते तक उक्त आरक्षण प्रदान किया।

भूपेश ने रख दी है कांग्रेस मुक्त छत्तीसगढ़ की बुनियाद : चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस मुक्त छत्तीसगढ़ की बुनियाद रख दी है। पिछली बार जनता को भ्रमित कर कांग्रेस ने सत्ता हासिल कर ली लेकिन कांग्रेस सरकार के आचरण, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तानाशाही, भ्रष्टाचार, अराजकता, महिला, युवा, गरीब और किसान विरोधी नीतियों के साथ ही आर्थिक कुप्रबंधन के कारण छत्तीसगढ़ की आने वाली कई पीढ़ियों के कर्जदार बन जाने ने यह प्रमाणित कर दिया है कि लम्हें खता करते हैं तो सदियों को सजा भुगतनी पड़ती है। लेकिन गलती सुधारी जा सकती है।उन्होंने कहा कि जनता के आदेश को हमने विनम्रता से स्वीकार करते हुए जनादेश को शिरोधार्य किया। उन्होंने कहा भाजपा जनता के लिए चौबीसों घंटे संघर्ष कर रही है और हम सभी कार्यकर्ता लोकतंत्र के हक में अपनी भूमिका ईमानदारी से निभा रहे हैं और विगत दिनों यह जनता और सत्ताधारी दल ने देखा है, इसलिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को घबराहट और बौखलाहट हो रही है। उन्हें कांग्रेस मुक्त छत्तीसगढ़ का अहसास दिन रात सता रहा है। वे जनता की सेवा छोड़ कांग्रेस कमांडरों की सेवा में तैनात हैं तो अब छत्तीसगढ़ की जनता उन्हें राहुल गांधी का फुल टाइम ओएसडी बनने के लिए मुक्त कर देना चाहती है। भूपेश बघेल ने जनता के मन में कांग्रेस के नाम से जो चिढ़ पैदा कर दी है, वह कांग्रेस मुक्त छत्तीसगढ़ की गारंटी व्यक्त कर रही है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कांग्रेस छोड़ने वाले वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के बयान का हवाला देते हुए कहा है कि कांग्रेस के फैसले यदि राहुल गांधी के पीए और गार्ड ले रहे हैं तो भूपेश बघेल की सरकार के फैसले भी ऐसी ही मंडली ले रही है।

पेट्रोल डीजल पर वैट कब घटाएगी भूपेश सरकार? : सोनी

सांसद सुनील सोनी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम द्वारा पेट्रोल डीजल के दाम कम किये जाने की मांग करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि पेट्रोल डीजल के दाम कम होने ही चाहिए। आम जनता को राहत मिलना ही चाहिए लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार रेत से लेकर कोल और शराब से लेकर खनिज तक माफियाराज चलाकर कांग्रेस का एटीएम छत्तीसगढ़ की जनता को लूट लूटकर चुनावी फंड बटोरने में लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल डीजल की कीमतों में कमी करके देश की जनता को राहत दी। तमाम राज्यों ने भी अपनी जनता की चिंता की।

मोदी सरकार द्वारा प्रति लीटर लगभग 15 से 17 रु से ज्यादा की राहत दी

मोदी सरकार द्वारा प्रति लीटर लगभग 15 से 17 रु से ज्यादा की राहत और राज्य सरकारों ने खुद के कर से 7 से 8 रु प्रति लीटर की राहत दी, मगर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की ऐसी लुटेरी सरकार बैठी है, जिसे जनता की नहीं, सिर्फ एक परिवार की चिंता है,छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने महज 78 पैसे की छूट दी? भाजपा सांसद सुनील सोनी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केंद्र सरकार को उपदेश देने की बजाय अपनी राज्य सरकार के मुखिया को ज्ञान दें। जनता ने भूपेश बघेल को नहीं, कांग्रेस को सत्ता सौंपी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की हैसियत से मोहन मरकाम की जिम्मेदारी है कि वे अपनी सरकार को निर्देश दें कि डीजल और पेट्रोल पर टैक्स कम करे। यदि भूपेश बघेल सरकार उनका निर्देश नहीं मानती है तो केंद्रीय नेतृत्व को बताएं अन्यथा अपने पद से इस्तीफा देकर घर बैठ जायें। श्री सोनी ने कहा जहां भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में प्रति लीटर वैट मात्र लगभग 14 रु,उत्तर प्रदेश में 16.5 रु,गुजरात में 16.5 रु,हिमाचल प्रदेश में 16.5 रु असम में 17 रु तो वही छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार 23 से 24 रु वैट और सेस के रूप में प्रति लीटर वसूल रही है यही नहीं कांग्रेस ने शासन में आते ही पिछली भाजपा सरकार द्वारा 2018 में दी गई 2.5 रु की छूट को सत्ता में आते ही वापिस ले लिया। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार जनता को सिर्फ लूटने में लगी है।

जबरिया लोगों का कांग्रेस में प्रवेश बताना कांग्रेस के खस्ताहाल का सबसे बड़ा प्रमाणः रंजना

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व विधायक रंजना साहू ने कहा है कि भूपेश बघेल के विधायक भाजपा कार्यकर्ताओं को जबरिया कांग्रेस प्रवेश कराकर अपनी खस्ता हालत का खुलासा कर रहे हैं। हवा में उड़ रहे मुख्यमंत्री देख लें कि उनके विधायकों की हालत क्या है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा ने नवरात्र का न्यौता देने गए युवाओं को गमछा पहनाकर उनके कांग्रेस प्रवेश का ढिंढोरा पीट दिया। इन युवाओं से विधायक स्वेच्छा निधि आने का भरोसा दिलाया और आधार कार्ड मांगे। उनके कांग्रेस प्रवेश के बाबत कोई चर्चा नहीं हुई। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने कहा कि विधायक स्वेच्छा अनुदान निधि कोई कांग्रेस का फंड नहीं है। यह जनता का धन है, जो विधायक को जरूरतमंद जनता की मदद के लिए दिया जाता है। कांग्रेस विधायक जनता के धन का उपयोग कार्यकर्ता खरीदने के लिए कर रहे हैं लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता और छत्तीसगढ़ के युवा बिकाऊ नहीं हैं, जिन्हें कांग्रेस के विधायक खरीद लें।

न्याय योजना के नाम से किसानों के साथ एक और धोखा : संदीप शर्मा

धान की खेती करने वाले पंजीकृत किसानों के खाता में धान के कीमत की अंतर राशि दिया जाना था परंतु अंतर राशि की जारी दो किस्तें हजारों पंजीकृत रेगहा किसानों के खाता में नही दिए गए जो भुपेश सरकार द्वारा किसानों के साथ धोखा है कपट है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एवं प्रवक्ता संदीप शर्मा ने उक्त प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि किसान द्वारा धान बोये गए खेत के रकबा का पंजीयन किसान स्वयं अपने नाम से या भू स्वामी की सहमति के आधार पर रेगहा ,अधिया बोन वाला किसान अपने नाम पर करा सकता है यह नियम भाजपा सरकार के समय बनाई गई थी जिसमें पंजीकृत बैंक खाता में धान की कीमत, और बोनस का सीधा अंतरण किया जाता था।

पिछले पंजीयन सत्र में हजारों रेगहादार किसानों ने इस प्रकार पंजीयन करवाया था। सरकार के आदेशानुसार पंजीयन भी किया गया परन्तु अभी जब धान के कीमत का बकाया अंतर राशि जिसे न्याय योजना के नाम से दिया जाता है उसमें पंजीकृत रेगहा किसानों को अंतर राशि नही दिया जा रहा है। किसानों द्वारा पूछने पर अधिकारी या तो कोई जवाब नही दे रहे हैं या गोलमोल बात कर रहे हैं।

किसान मोर्चा प्रभारी संदीप शर्मा ने अपने आप को किसान का बेटा कहने वाले मुख्यमंत्री भुपेश बघेल से पूछा है कि रेगहा किसानों के पंजीकृत खाता में अंतर राशि क्यों नही दी जा रही है? इस प्रकार कोई नीतिगत निर्णय लिया गया है तो किसानों को विश्वास में क्यों नही लिया गया? अंतर राशि यदि रेगहादार किसानों के खाते में नही दे रहे तो भूस्वामी के खाता में क्यों नही दिया जा रहा? बोये गए धान फसल के रकबा के आधार पर जब भुगतान करना है तो रेगहा पंजीकृत किसानों के साथ यह धोखा क्यों किया जा रहा है, जबकि भाजपा सरकार के समय इस प्रकार कोई भेदभाव नहीं किया गया।

भूपेश बघेल ने दहशत में बदल दिया अपना प्रोग्राम : भाजपा

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश में भाजपा के बढ़ते प्रभाव से इस तरह दहशत में हैं कि उन्होंने 10 सितंबर के लिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम एक दिन पहले इसलिए कर दिया है कि 9 सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा जी का विराट रोड शो और संवाद कार्यक्रम है, जिसमें पूरे प्रदेश के कार्यकर्ता आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भाजपा के आयोजन से संचार माध्यमों का ध्यान हटाने के षड्यंत्र के तहत अपनी निम्न मानसिकता का परिचय देते हुए जिला गठन के कार्यक्रम की तारीख में हेरफेर कर दिया है। ऐसा कर बघेल ने यह प्रमाणित कर दिया है कि भाजपा की जनता के बीच स्वीकार्यता ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का संतुलन बिगाड़ दिया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि हाल ही भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्या के तेज से भूपेश बघेल की आंखें चौंधिया गई हैं। भाजपा लगातार भूपेश बघेल सरकार की कुनीतियों के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। हमारे कार्यकर्ताओं का उत्साह कांग्रेस की चूलें हिला रहा है। प्रदेश में भाजपा के पक्ष में वातावरण बन चुका है।

दम है तो स्काईवॉक की रिटायर न्यायाधीश से जांच करा लें : मूणत

भाजपा प्रवक्ता व पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने राज्य सरकार को चुनौती देते हुए कहा इस सरकार में दम है तो स्काईवॉक की सुप्रीम कोर्ट के रिटायर न्यायाधीश से जांच करा ले । अन्यथा इस पर थोथी राजनीति ना कर कोई निर्णय करे । उन्होंने कहा कि विकास की सोच, दृष्टिकोण व विचार क्या होता है, जो मुख्यमंत्री यह नही जानता वह सिर्फ आरोप ही लगा सकता है ,कार्य नही कर सकता। उन्होंने कहा कि सबसे पहले सरकार यह बताएं कि 4 साल वह सो रही थी क्या ? उन्होंने कहा कि सेक्रेटरी भी यही है, ठेकेदार भी यही है और अधिकारी भी हैं और उस कार्य की फाइल भी आपके सरकार के पास है, आखिर आपने किया क्या ? 4 साल में आप यह नहीं तय कर पाए की इस स्काईवॉक का करना क्या है , शहर की बनी हुई एक स्मार्ट सड़क जिसमें लोग आ जा रहे हैं उस एक्सप्रेसवे की छोटी सी तकनीकी खामी को मरम्मत करने में आपने 4 साल लगा दिए। ऐसी सरकार से क्या अपेक्षा कर सकते है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहले इस बात का जवाब दें कि जिस सड़क से वह अपने गृह नगर जाते हैं उस टाटीबंध, चरोदा और कुम्हारी के लाखों नागरिक पूछ रहे हैं कि जो ब्रिज बनना था वह आज तक बना क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि आपके विधानसभा क्षेत्र में जितने विकास के काम मैंने स्वीकृत किए थे पहले वह पूरा कर लो फिर कोई प्रश्न हम से पूछना। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कहा कि वह अपने कार्य का आईना देख ले सच्चाई स्वमेव सामने आ जाएगी। ●●●

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं या WhatsApp कर सकते हैं। फोन से भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

कार्यकारी संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर
डूमरतराई, रायपुर। (छग), फोन : 0771-2233500, WhatsApp 9425507006, E mail – jay7feb@gmail.com

विधायक प्रत्याशी, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सहित हजारों नेता कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पूर्व दिग्गज नेताओं के साथ विभिन्न क्षेत्रों से हजारों लोगो ने भाजपा की विधिवत सदस्यता ग्रहण की। इस कड़ी में 2000 से 2003 तक जिला पंचायत सदस्य रायगढ़ 2003 से 2008 तक सारंगढ़ विधानसभा से विधायक कुमारी कामदा जोल्हे, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी से संयुक्त महामंत्री सहित कई कांग्रेस के पदों पर कार्यरत अभिषेक शुक्ला 2003 में रामगढ़ से विधायक रहे विजय अग्रवाल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रहे संपत अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष जिला महामंत्री जिलाध्यक्ष व किसान मोर्चा के अनेक दायित्व पर रहे लखनलाल श्रीवास्तव, सहित हजारों हजार कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव ने कहा कि पूरे प्रदेश की जनता अब कांग्रेस से छुटकारा चाहती है और हम सभी मिलकर प्रदेश की यहां अभिलाषा जरूर पूर्ण करेंगे। नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल में सभी का स्वागत करते हुए यह कहा एक पंखुड़ी कमल की इस पंजे पर भारी होगी रात इनकी है तो क्या हुआ कल सुबह हमारी होगी।

‘कर्तव्य पथ’ पर...